दैनिक पंचांग

सूर्योदयः 05:55 ए एम
सूर्यास्तः 06:47 पी एम
तिथिः एकादशी - 06:14 पी एम तक
नक्षत्रः शतभिषा - 04:07 ए एम, अप्रैल 17 तक
योगः शुक्ल - 12:13 ए एम, अप्रैल 17 तक
करणः बव - 07:29 ए एम तक
द्वितीय करणः बालव - 06:14 पी एम तक
पक्षः कृष्ण पक्ष
वारः रविवार

Digital Edition

हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 3 • अंक 107 • पृष्ठ 8 • दुमका, रविवार 16 अप्रैल 2023 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

अतीक अहमद और अशरफ की गोली मारकर हत्या

17 पुलिसकर्मी सस्पेंड, पूरे प्रदेश में हाई-अलर्ट, प्रयागराज में धारा 144 लागू

प्रयागराज/एजेंसी।

प्रयागराज के काल्विन हॉस्पिटल में जांच कराने के दौरान माफिया अतीक अहमद और अशरफ की गोली मारकर हत्या कर दी गई। दोनों को पांच दिनों की रिमांड पर लाया गया था। पुलिस उनसे पूछताछ कर रही थी। इसी बीच मेडिकल कॉलेज के पास दोनों की हत्या कर दी गई। दोनों के शवों के पास पिस्टल पड़ी हुई है। गत दिनों उमेश पाल हत्याकांड में अतीक अहमद को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी।

इस हत्याकांड के समय अतीक अहमद के वकील विजय मिश्रा भी मौके पर मौजूद थे। घटना के संबंध में उन्होंने कहा कि पुलिस अतीक और अशरफ को चिकित्सा जांच के लिए ले जा रही थी। जैसे ही हम अस्पताल परिसर में दाखिल हुए तो गोलियों की आवाजें सुनाई दीं।

प्रयागराज में अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने घटना का संज्ञान लिया और पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए। साथ ही सीएम योगी ने देर रात लखनऊ में अपने आवास पर उच्च स्तरीय बैठक बुलाई थी। यूपी पुलिस के आला अधिकारियों के साथ सीएम योगी की यह बैठक रात दो बजे के बाद खत्म हुई। साथ ही सीएम ने मामले में तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग (न्यायिक जांच आयोग) के गठन के भी निर्देश दिए हैं।

सूत्रों के मुताबिकस प्रयागराज में हुई घटना के बाद प्रदेश पुलिस को हाई अलर्ट पर रखा गया है। खासकर प्रयागराज में बड़ी तादाद में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जा रही है। पूरे जिले में धारा-144 लागू कर दी गयी है। घटनास्थल को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। प्रयागराज पुलिस के अलावा एसटीएफ भी घटनास्थल से सुबूत बटोर रहे हैं। मौके पर रैपिड एक्शन फोर्स और पीएसी बल की तैनाती भी की गई है। डीजीपी आरके विश्वकर्मा और स्पेशल डीजी कानून-व्यवस्था एवं अपराध प्रशांत कुमार पूरे घटनाक्रम की गहनता से मॉनीटरिंग कर रहे हैं। प्रयागराज में माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या के बाद पूरे प्रदेश में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। इसके अलावा प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद को प्रयागराज भेजा गया है। अतीक और अशरफ की हत्या के बाद प्रयागराज में हालात देखते हुए धारा 144 लागू कर दी गई है। इसी के साथ सीएम योगी ने जांच टीम का गठन किया है। तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग मामले की जांच करेगा।

असद हुआ सुपुर्द-ए-ख़ाक, नहीं नसीब हुई पिता के हाथ की मिट्टी

प्रयागराज/एजेंसी। माफिया अतीक अहमद के बेटे असद अहमद और शूटर गुलाम के शव को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया है. असद का शव प्रयागराज के कसारी-मसारी कब्रिस्तान में सुपुर्द ए खाक किया गया. अतीक के शूटर गुलाम हसन को मेहंदौरी स्थित कब्रिस्तान में दफनाया गया है. पिता अतीक अहमद और मां शाइस्ता परवीन को बेटे को अंतिम बार देखना भी नसीब नहीं हुआ. उत्तर प्रदेश एसटीएफ की टीम ने बीते गुरुवार को झांसी में हुए एनकाउंटर अतीक के बेटे असद और उसके शूटर गुलाम हसन को मार गिराया था. अतीक अहमद के बेटे असद के एनकाउंटर के बाद पर पहली चाचा अशरफ ने मीडिया के सामने मुंह खोला है.

बस खाई में गिरने से 13 लोगों की मौत

पुणे/एजेंसी।

महाराष्ट्र के पुणे से एक बड़े हादसे की खबर सामने आ रही है. यहां पुणे पुराने मार्ग पर एक यात्री बस खाई में गिर गई. ये दर्दनाक हादसा खोपोली पुलिस थाना के तहत शिंगरोबा मंदिर के पीछे घाट पर हुआ. रायगढ़ के खोपोली इलाके में बस के खाई में गिर जाने से 13 लोगों की मौत हो गई. वहीं 29 अन्य लोग घायल हो गए. एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक संगीत मंडली के सदस्यों को ले जा रही निजी बस पुणे से मुंबई जा रही थी, तभी तड़के करीब 4:50 बजे राजमार्ग पर शिंग्रोबा मंदिर के पास खाई में गिर गई. बस में 41 यात्री सवार थे.

सभी घायलों को खोपोली ग्रामीण अस्पताल और एमजीएम अस्पताल कामोठे भेजा गया है. घायलों से मिलने के लिए महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे भी एमजीएम अस्पताल पहुंचे. एकनाथ शिंदे ने रायगढ़ के खोपोली इलाके में स्थिति का जायजा लिया. एक निजी बस में मुंबई के गोरेगांव से बाजी प्रभु वादक ग्रुप (सिंबल टीम) पुणे में कार्यक्रम खत्म कर गोरेगांव जा रहे थे. रायगढ़ के पुलिस अधीक्षक (एसपी) सोमनाथ घार्गे ने कहा कि घायल और मरने वालों में मुंबई के सायन और गोरेगांव और पड़ोसी पालघर जिले के विरार के रहने वाले थे. उन्होंने बताया कि घायलों को खोपोली ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया गया है. एडिशनल एसपी अतुल ने कहा कि मृतक और घायलों की उम्र 18 से 25 वर्ष के बीच है. खोपोली शहर मुंबई से लगभग 70 किमी दूर स्थित है.

संक्षिप्त समाचार

कर्नाटक चुनावः कांग्रेस ने जारी की 43 उम्मीदवारों की तीसरी सूची

बेंगलुरु/एजेंसी। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने 43 उम्मीदवारों की अपनी तीसरी सूची जारी कर दी है. भाजपा से बगावत करके एक दिन पहले कांग्रेस में शामिल हुए राज्य के पूर्व डिप्टी सीएम लक्ष्मण सावदी को अठानी सीट से टिकट मिला है. कोलार सीट कोथूर जी मंजूनाथ को दी गई है. कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता सिद्धारमैया आगामी राज्य विधानसभा चुनाव वरुण निर्वाचन क्षेत्र से लड़ेंगे.

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स
60,431.00+38.23 (0.063%)

निफ्टी
17,828.00+15.60 (0.088%)

बिहार के मोतिहारी में जहरीली शराब पीने से 22 लोगों की मौत

25 लोग अस्पताल में भर्ती, 12 की हालत गंभीर

मोतिहारी/एजेंसी।

बिहार के मोतिहारी में जहरीली शराब पीने से 22 लोगों की मौतें हो गईं. वहीं 25 अन्य अस्पताल में भर्ती बताए जा रहे हैं. जानकारी के मुताबिक मोतिहारी के लक्ष्मीपुर पहाड़पुर,हरसिद्धि में जहरीली शराब पीने से आठ लोगों की मौत हो गई. जबकि तकरीबन 25 लोगों का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है. इससे पहले भी बिहार में जहरीली शराब पीने से कई लोगों की मौत हो चुकी है.

जहरीली शराब से हुई मौत को लेकर बिहार पिछले दिनों ही बीजेपी ने सीएम नीतीश कुमार पर जमकर निशाना साधा था. सारण जिले में पिछले साल जहरीली शराब के सेवन से

40 लोगों की मौत के मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) की एक रिपोर्ट को लेकर नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार और विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच तीखी नोकझोंक हुई थी. एनएचआरसी की इस रिपोर्ट में सारण जहरीली शराब कांड के लिए प्रशासन को दोषी ठहराया गया था. मरने वालों की उम्र 19 से 48 साल के बीच की है। इनमें सबसे अधिक तुरकौलिया से 11, हरसिद्धी से 3 और पहाड़पुर से 2 लोगों की मौत हुई है। मरने वालों के परिजनों का कहना है कि गुरुवार शाम गेहूं की फसल काटने के बाद खेत में शराब पार्टी हुई थी। रात में घर आकर सो गए। सुबह कई लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी। अस्पताल में पहले पिता-पुत्र ने दम तोड़ा।

Dipendra Singh
9335448671

R.K. Choudhary
8384831556

RK marbles & tiles

मार्बल & ग्रेनाइट

राजस्थान वाले

रेलवे स्टेशन के सामने, रिंग रोड, दुमका (झारखंड)

संक्षिप्त समाचार

संत जेवियर्स कालेज महारो में किया गया (एसआरसी) स्टूडेंट रिसोर्स सेंटर का उद्घाटन

दुमका । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। जामा प्रखंड अंतर्गत संत जेवियर्स कालेज महारो में शनिवार को स्टूडेंट रिसोर्स सेंटर का उद्घाटन कॉलेज के प्राचार्य फादर डॉ स्टीफन राज के द्वारा फीता काटकर कर किया गया। इस अवसर पर दिल्ली से आए अवकाश प्राप्त वाईस मार्शल उमेश कुमार,सीएससी रांची यूआईडी टीम से, दिलीप कुमार,प्रशांत कुमार, अजीत कुमार,सीएससी जिला प्रबंधक, शुभम झा,भानु प्रकाश एवम रविन्द्र राउत के अलावा एसआरसी के संचालक नयन रूज मुख्य रूप से शामिल हुए।इस दौरान सीएससी डिस्ट्रक्ट मैनेजर ने स्टूडेंट्स रिसोर्स सेंटर के द्वारा प्रदान की जाने वाली सर्विस के बारे विस्तार से जानकारी दी। वहीं प्राचार्य के द्वारा इस स्टूडेंट रिसोर्स सेंटर के कालेज कैम्पस में खुलने से कॉलेज के छात्रों को आनलाईन कार्य आसानी से और रियायती दर एवं अन्य डिजिटल सेवा से मिलने वाले लाभ से अवगत कराया गया।प्राचार्य के द्वारा सीआरसी केंद्र संचालक को निर्धारित दर पर छात्रों को सभी प्रकार की ऑनलाइन सभी सेवाएं प्रदान करने का निर्देश एवं बेहतर ढंग से केंद्र संचालन करने के लिए शुभकामना दी गई।

हाई कोर्ट के दो न्यायाधीशों ने बाबा बासुकीनाथ धाम में सपरिवार किया पूजा-अर्चना

दुमका । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एसएन पाठक एवं संजय कुमार द्विवेदी आज शनिवार को प्रसिद्ध तीर्थ स्थल फौजदारी दरबार बाबा बासुकीनाथ धाम पहुंचे और सपरिवार भोलेनाथ की पूजा अर्चना की। पूजा अर्चना के बाद दुमका उपायुक्त रविशंकर शुक्ला ने न्यायाधीशों को स्मृति चिन्ह भेंट किया। अवसर पर पुलिस अधीक्षक अंबर लकड़ा समेत जिले के वरीय अधिकारिय मौजूद रहे। इस दौरान सुरक्षा को लेकर बासुकीनाथ धाम में भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। बताते चलें कि इससे पहले दोनों न्यायाधीशों ने बाबाधाम देवघर में जलाभिषेक कर विधि-विधान से भोलेनाथ की पूजा अर्चना की।

जुलूस निकालकर लगाएं गए सालखन मुर्मू मुर्दाबाद के नारे, किया गया सालखन मुर्मू का पुतला दहन

दुमका । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। शिकारीपाड़ा प्रखंड सचिवालय के सामने आज शनिवार को प्रखंड अध्यक्ष भीम सोरेन की अध्यक्षता में ग्राम प्रधान/माझी संगठन की बैठक का आयोजन किया गया।जिसमें वक्ताओं ने संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम के तहत ग्राम प्रधानों/माझी के संबंध में विस्तृत रूप से जानकारी दी तथा आरोप लगाया कि उड़ीसा के पूर्व लोकसभा सदस्य सेगेल अभियान के केंद्रीय अध्यक्ष सालखान मुर्मू संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम की धारा 6 को निरस्त कराना चाहते हैं इतना ही नहीं यहां के प्रधानी व्यवस्था से जुड़े परानिक जोग माझी नाई की कुडान नई की गुडैतो पारंपरिक व्यवस्था को ध्वस्त करना चाहते हैं।डायन प्रथा का आरोप लगाते हुए संथाल समाज में अंधविश्वास का इल्जाम लेखा होड पर लगाकर संथाल समाज को विकृत करने का प्रयास सालखान मुर्मू कर रहे हैं। झारखंड में दोबारा प्रधानी व्यवस्था को निरस्त करने की आवाज लगाने का प्रयास करेंगे तो सबूत मांगा जाएगा, नहीं देने पर ग्राम प्रधान उनको सजा देने के लिए विवश होंगे। इसके लिए सरकार जिम्मेवार होगी। बैठक स्थल से जुलूस निकालकर ग्राम प्रधान/माझी संगठन द्वारा सालखान मुर्मू मुर्दाबाद, सलखान मुर्मू झारखंड छोड़ो का नारा लगाते हुए बाजार भ्रमण के पश्चात थाना रोड के सामने सलखान मुर्मू का पुतला दहन किया गया। अवसर पर गोपीन हेंब्रम भीम हंसदा नीरू हंसदा स्टैंसिला मुर्मू पुतुल हंसदा दुलाड हंसदा जिला अध्यक्ष भीम प्रसाद मंडल के साथ हरि नारायण पंडित अर्जुन मरांडी श्रीपति मंडल सुंदरी देहरी फ्रांसिस मुर्मू सभा को संबोधित किया प्रखंड के सभी ग्राम प्रधान/माझी मौजूद थे।

पुर्नोत्थान वितरण क्षेत्र योजना केंद्र सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है-सांसद

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

दुमका। समाहरणालय सभागार में जिला विद्युत समिति की बैठक सांसद सुनील सोरेन की अध्यक्षता में आयोजित की गयी।बैठक में पुर्नोत्थान वितरण क्षेत्र योजना वितरण कम्पनियों (निजि क्षेत्र के DISCOM को छोड़कर) की परिचालन क्षमता और वित्तीय स्थिरता में सुधार लाने पर लक्षित हैं। इस योजना के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2021-22 से 2025-26 तक वितरण कम्पनियों की आपूर्ति अवसंरचना को सुदृढ़ करने के लिये सशर्त्त वित्तीय सहायता प्रदान की जायेगी। इस योजना के तहत दुमका जिलान्तर्गत 83.15 करोड़ रुपये की लागत से विधुत के कई कार्य किये जायेंगे।इस योजना का मुख्य उद्येश्य विद्युत उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधाओं के साथ 24७7 निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर दुमका लोकसभा सांसद सुनील सोरेन ने कहा कि पुर्नोत्थान वितरण क्षेत्र योजना केंद्र सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है। इस योजना के तहत पूरे जिले में कार्य किए जाने हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में विद्युत के जर्जर तारों को बदलने का कार्य किया जाएगा।केबल तार बिछाने से लेकर नया ट्रांसफार्मर बदलने का कार्य भी इस योजना के तहत किया जाना है। शिकारीपाड़ा विधायक नलिन सोरेन ने कहा कि ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में कई ऐसे विद्युत तार अब भी मौजूद हैं जो आमजनों के लिए काफी खतरनाक है। इस योजना के तहत ऐसे सभी खुले तारों को कवर्ड किया जाएगा, जो सुरक्षा के दृष्टिकोण से काफी महत्वपूर्ण होगा।

उन्होंने कहा कि अब भी जिले में कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां वर्षों पुराने वायरिंग मौजूद हैं।इस योजना के तहत उन सभी वायरिंग को दुरुस्त किया जाएगा ताकि जान माल का खतरा नहीं हो। साथ ही सभी विधायक प्रतिनिधि से भी सुझाव मांगे गए हैं। प्राप्त सुझावों के आलोक में आवश्यक कार्रवाई करते हुए इन जर्जर विद्युत वायरिंग को दुरुस्त किया जाएगा।इस दौरान जानकारी दी गई कि बकाया बिजली बिल भुगतान हेतु वन टाइम सेटेलमेंट योजना चलाई जा रही है प्रखंड स्तर पर कैंप का आयोजन पर वन टाइम सेटेलमेंट का कार्य किया जाएगा। एक सौ यूनिट फ्री बिजली योजना का व्यापक प्रचार प्रसार किया जाय।इस दौरान उप विकास आयुक्त अभिजीत सिन्हा ने कहा कि जिले में मिशन मोड में खराब पड़े चापाकल को दुरुस्त करने का कार्य किया जा रहा है। इस हेतु प्रखंड तथा जिला स्तर पर कंट्रोल रूम भी बनाए गए हैं। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से अनुरोध किया कि अपने क्षेत्र के खराब पड़े चापाकल की सूची उपलब्ध कराएं ताकि उन्हें ठीक कराया जा सके। आमजनों को पेयजल की समस्या इस भीषण गर्मी में नहीं हो। इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ देकर किया गया। इस दौरान पोड़ैयाहाट विधायक के प्रतिनिधि, जरमुंडी विधायक के विधायक प्रतिनिधि, जामा विधायक के विधायक प्रतिनिधि सहित विद्युत विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

अंडर-17 सब जूनियर बालक/बालिका राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता 2023 के लिए झारखंड कुश्ती टीम गोंडा (उत्तर प्रदेश) रवाना

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

रांची/दुमका । 15 अप्रैल से 18 अप्रैल तक नंदिनी नगर,गोंडा (उत्तर प्रदेश) में आयोजित अंडर-17 सब जूनियर बालक फ्री स्टाइल/ग्रीको रोमन स्टाइल एवं बालिका राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए झारखंड की टीम बीते शाम गोंडा, उत्तर प्रदेश के लिए रवाना हुई।बताते चलें कि टीम में दुमका जिला के दो पहलवान रोहित झा एवं श्रेष्ठ कुमार भी शामिल हैं।

ज्ञात हो कि दुमका जिला से तीन पहलवानों का चयन हुआ था किंतु श्रेयश राज चोटिल हो जाने के कारण नहीं जा सकें।

- **झारखण्ड की टीम में शामिल पहलवानों के नाम**

बालिका वर्ग
40 केजी- खुशबू तिर्की
43 केजी - रिंपा कुमारी
46 केजी - निक्की कुमारी
49 केजी - स्नेहा कुमारी
53 केजी- रिया कुमारी
57 केजी- मोनिका धनवार
61 केजी-सिमरन विल्सन
65 केजी- बबली कुमारी
प्रशिक्षक
बबलू कुमार ,नीलेश साहू, प्रियंका कुमारी
बालक ग्रीको रोमन
45केजी- कुश कुमार
48केजी- बुद्धेश्वर मछुआ
51केजी- शंकर कुमार
55केजी- अजीत कुमार मुंडा
60केजी- अभिषेक कुमार
65केजी- रोहित कुमार
71केजी- राहुल राज
80केजी- मोहम्मद सोहेल
92केजी- रोशन केसरी
110केजी- श्रेयस राज(दुमका)
प्रशिक्षक
राजीव रंजन, धीरज चौबे, अतुल आनंद
बालक फ्रीस्टाइल
45केजी- अमन यादव
48केजी- शंकर कुमार
51केजी- रोहित कुमार
55केजी- चेतनआनंद पटेल
60केजी- रूद्र यादव
65केजी- रोशन कुमार
71केजी- रोहित झा(दुमका)
80केजी- कुणाल विश्वकर्मा
92केजी- श्रेष्ठ कुमार(दुमका)
110केजी- अमल चंद्र पोद्दार
प्रशिक्षक
अनिल यादव,नवल वर्मा, राहुल कुमार झारखंड राज्य अंडर-17 सब जूनियर, कुश्ती टीम के सदस्यों को झारखंड राज्य कुश्ती संघ के अध्यक्ष जीशान कमर, महासचिव-रजनीश कुमार, अभिभावक-के रवि कुमार (कमर), भोला नाथ सिंह,विजय शंकर सिंह,धर्मेंद्र सिंह,नीरज कुमार पांडे, अजीत सिंह, मधु तिर्की के साथ दुमका जिला कुश्ती संघ के मुख्य संरक्षक डीआईजी संताल परगना प्रक्षेत्र सुदर्शन प्रसाद मंडल, संरक्षक राधेश्याम वर्मा,अध्यक्ष डॉ तुषार ज्योति,सचिव संदीप कुमार जय बमबम सहित सभी सम्मानित सदस्यों तथा कुश्ती प्रेमियों ने शुभकामनाएं एवं बधाई दी है।

युवाओं में मनः चिकित्सीय समस्याएँ विषय पर विभागीय सेमिनार का आयोजन

दुमका । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर मनोविज्ञान विभाग में विभागाध्यक्ष डॉ विनोद कुमार शर्मा की अध्यक्षता में युवाओं में मनःचिकित्सीय समस्याएँ विषय पर एक विभागीय सेमिनार का आयोजन किया गया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विभागाध्यक्ष डॉ विनोद कुमार शर्मा ने कहा कि आज युवा भय , तनाव व विषाद का पर्याय बन गया है। शैक्षणिक ज्ञान की कमी के कारण जहाँ उन्हें प्रतियोगिता की बैतरणी को पार करने में असफलता मिलती है। अपेक्षित शैक्षणिक ज्ञान के अभाव में आत्म विश्वास की कमी व हीनता की भावना उत्पन्न होती है तो वहीं ऐसे हालात में भय, चिंता व तनाव के वातावरण में आत्महत्या का शिकार भी होते है। डॉ शर्मा ने यह भी भारत में युवाओं में डिप्रेशन एक कॉमन मेंटल हेल्थ प्रॉब्लम है जहाँ 10% युवा विषाद का शिकार है तो 20% युवा तनाव, व्यवहारिक विकार, ऑब्सेसन, अटेंशन प्रॉब्लम, आदि अन्य मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित है। उनमें नशा व लैंगिक विकार आदि भी एक कॉमन प्रॉब्लम होता जा रहा है।

आज युवा एक ओर जहाँ आभिभावकों के आकांक्षाओं को पूरा करने में असमर्थ हो रहे, बेरोजगार हो रहे है तो वही गलत नीतियों के उलझनों में उलझ भ्रमित हो रहे है। मानकविहीन व्यवहार कर रहे है। गलत आचरणों के आदि के शिकार हो समाज में आशांति, द्वेष व असुरक्षा का कारण बन रहे है। युवाओं को न तो नियमित परामर्श मिलता है न ही मेंटरींग होता है जिसका उसके उसके भावनाएं दमित रह जाती है जो आगे चलकर मानसिक विकृति का कारण बन जाता है। हाल में यू जी ने भी इस बात की हकीकत को स्वीकारते हुए विभिन्न विश्वविद्यालयों व कॉलेज में 'छात्र सेवा केंद्र' खोलने की योजना बनाई है। जहाँ विद्यार्थी इस सुविधा केंद्र से अपने शैक्षणिक वातावरण में उत्पन्न तनाव, विषाद, संवेगात्मक विकार आदि को दूर कर पाएंगे। साथ ही खुद को वैश्विक प्रतियोगिता के योग्य सक्षम साबित कर पाएंगे। मौके पर पी एच डी स्कोलर दिव्या कुमारी, हीना परवीन, पूजा कुमारी, अनुबाला कुमारी, दशरथ महतो व अनूपलाल मुर्मू ने भी विचार रखे। सबों में इस बात की सहमति थी कि शैक्षणिक वातावरण में सुधार हो तथा क्वालिटी एडुकेशन मिले जिससे वो प्रतियोगिता में सफल साबित हो सके व अभिभावकों के अपेक्षाओं पर खड़ा उतर सके।

सिल्ली के पूर्व विधायक अमित महतो ने नियोजन नीति के विरोध में शिकारीपाड़ा विस क्षेत्र में लगाई 21 किलोमीटर की दौड़

अमित महतो ने खतियान आधारित झारखंडी की पहचान का नारा बुलंद करते हुए मुख्यमंत्री से की वर्तमान नियोजन नीति रद्द करने की मांग

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

दुमका। हेमंत सरकार की नियोजन नीति 60-40 के खिलाफ सिल्ली के पूर्व विधायक अमित महतो ने शनिवार को दुमका जिले के शिकारीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र में मैराथन दौड़ लगायी।पूर्व विधायक ने पत्ताबाड़ी से शिकारीपाड़ा तक करीब 21 किलोमीटर तक अपने समर्थकों के संग दौड़ लगायी। पूर्व विधायक ने एक बार फिर खतियान आधारित झारखंडी की पहचान का नारा बुलंद करते हुए मुख्यमंत्री से वर्तमान नियोजन नीति रद्द करने की मांग करते हुए कहा कि जिसके हाथ में खतियान होगा वही झारखंडी की पहचान होगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान स्थानीय नीति के खिलाफ और खतियान आधारित नियोजन नीति के समर्थन में बेरोजगारों को रोजगार मिले,मान सम्मान मिले और झारखंड में जीने का हक मिले। इनके लिए सरकार से अपनी व्यथा बताने के लिए मैराथन दौड़ लगाकर सरकार को अपने दुख से अवगत कराने का काम करते हैं। हर विधानसभा में प्रतिदिन 21 किलोमीटर दौड़ लगाकर वह मुख्यमंत्री को अवगत कराते हैं।उन्होंने कहा कि अब तक 14 विधानसभा का दौड़ लगा चुके हैं। पूर्व विधायक ने मुख्यमंत्री से विचार करने का आग्रह करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री हमारी मांगों पर विचार करें अन्यथा खतियानी मुख्यमंत्री के रैवये पर विचार करेंगे। पूर्व विधायक ने बताया कि 129 दिनों का कार्यक्रम है। सिल्ली विधानसभा के 48 पंचायतों में दौड़ लगा चुके हैं। इसके बाद 49 दिन सिल्ली विधानसभा और 50 वे दिन रामगढ़ विधानसभा में दौड़ लगायी है। 63 वें दिन संथाल परगना के जामा और आज 64 वें दिन शिकारीपाड़ा विधानसभा में दौड़ लगाई और 16 अप्रैल को महेशपुर विधानसभा में दौड़ लगाएंगे।इस तरह सरकार के नियोजन नीति के खिलाफ मांग पूरी नहीं होने तक राज्य के सभी विधानसभा में दौड़ लगा राज्य सरकार को चेतावनी देने का काम करेंगे। गौरतलब है कि पूर्व विधायक अमित महतो खतियान आधारित स्थानीयता नीति को लेकर झामुमो का विरोध करते हुए अपनी अलग खतियानी झारखंडी पार्टी की स्थापना कर चुके हैं। उसके बाद से लगातार हेमंत सरकार के खिलाफ हमलावर है।

बाबा साहब अंबेडकर की जयंती के अवसर पर दो दिवसीय फुटबॉल मैच का आयोजन

हिरणपुर(पाकुड़) । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जयंती के शुभ अवसर पर आदिवासी टाउन क्लब जबरदाहा द्वारा दो दिवसीय फुटबॉल मैच का आयोजन हिरणपुर फुटबॉल मैदान मैं किया गया जिसका उद्घाटन मुखिया प्रतिनिधि राजेश हेम्ब्रम, राजेश भगत ने किया। आदिवासी टाउन क्लब के राजेश हेंब्रम ने बताया कि कुल 16 टीमों की मैच होगा. जिसमें पहला दिन के मैच में हिरणपुर टाउन क्लब और एफसी मार्शल हाथीगढ़ के बीच फुटबॉल मैच खेला गया। उन्होंने बताया कि बीए था टीम को 13,000 और उपविजेता को 10,000 पुरस्कार राशि दिया जाएगा। आयोजन में नायकी सुलेमान बास्की, चुरका हेंब्रम, प्राणीक बेटाका मुर्मू, रोशन सोरेन आदि मुख्य रूप से थे।

संक्षिप्त समाचार

बंगाली समुदायों ने अपने कैलेंडर के नया वर्ष (शुभ नववर्ष) 1430 मनाया

हिरणपुर(पाकुड़) । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। शनिवार को बंगाली समुदायों ने अपने कैलेंडर के नया वर्ष (शुभ नबबर्ष) 1430 मनाया। मौके पर समुदाय के लोगों ने एक और जहां घरों पर विशेष पूजा किए वही व्यापारियों ने अपने अपने प्रतिष्ठानों पर नए वर्ष के उपलक्ष पर विधिवत पूजा कराएं और नया खाता बही प्रारंभ किए। मालूम हो कि बांग्ला नबवर्ष के दिन बंगाली समुदायों में काफी चहल-पहल रहता है, नए वस्त्र परिधान पहनना विशेष पकवान मिठाइयां आदि खिलाने की तो परंपरा है ही व्यापारियों के द्वारा अपने ग्राहकों को नए बांग्ला कैलेंडर और मिठाई देते हैं, जबकि अधिकतर ग्राहक नये खाता प्रारंभ होने के कारण अपने बकाया को देते हैं।

पेयजल की समस्या को लेकर मुखिया ने डीसी को दिया आवेदन

लिट्टीपाड़ा(पाकुड़) । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । पेयजल की समस्या के निदान को लेकर उपायुक्त को लिट्टीपाड़ा प्रखंड के 17 मुखिया ने संयुक्त रूप से आवेदन दिया है। मुखिया बराघघडी के मीरू सोरेन, जॉरडिहा के मुखिया जोसेफ मालतों, कुंजबोना के मुखिया रामा पहाड़िया, सहित पंचायत नावाडीह, जामजोड़ी, सोनाधोनी, बीचामहल, के मुखिया के द्वारा दिए हस्ताक्षरीत आवेदन में लिखा है कि लिट्टीपाड़ा के सभी 17 पंचायतों में पेयजल की समस्या बढ़ रही है, लिट्टीपाड़ा प्रखंड में अधिकतर गांव बहारों में बसे हैं, जिससे जल नीचे गिर चुकी है, चापाकल के मरम्मत के बावजूद बार-बार खराब हो रहा है। मुखिया गण अपने आवेदन में आरोप लगाया है कि लिट्टीपाड़ा में हर घर नल जल योजना का काम बरसों गुजरने के बाद भी बंद पड़ा। इस योजना से अमडापाड़ा के बांसलोई नदी से वृहत जलापूर्ति योजना का काम पुर्ण होने से पेयजल की समस्या 4 साल गुजर जाने के बाद भी को इसका लाभ नहीं मिला है। मुखिया गंण ने उपायुक्त से निवेदन किया है कि लिट्टीपाड़ा में बिरहा वृहद जलापूर्ति योजना का काम जल्द से जल्द पूर्ण कराया जाए ताकि पेयजल की विकट समस्या से लिट्टीपाड़ा प्रखंड के वासियों को जल्द समस्या से निजात मिल सके।

एसपी के निर्देश पर सिमलोंग ओपी क्षेत्र में एलआरपी अभियान चलाया

लिट्टीपाड़ा (पाकुड़) । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर शुक्रवार को सिमलोंग ओपी क्षेत्र के आधा दर्जन से अधिक गांव में पुलिस ने एलआरपी अभियान चलाकर गांव का जायजा लिया एवं ग्रामीणों को जागरूक किया गया. एलआरपी अभियान का नेतृत्व सिमलोंग ओपी प्रभारी सत्यदेव ने किया. उन्होंने बताया अभियान के तहत ओपी क्षेत्र के जापानी, मोहनपुर,सहानी, बड़ा एवं छोटा घाघरी, लीलातारी, सहित अन्य गांव का भ्रमण कर ग्रामीणों को गांवों को अपराध मुक्त बनाने, महिला उत्पीड़न को रोकने व साइबर अपराधों के प्रति सजग रहने के लिए जगरुक किया . साथ ही उन्होंने गांव में किसी भी अनजान व्यक्ति को गांव में पनाह नही देने. बाहरी लोगों का गांव में अगर कोई गतिविधि करता है तो 100 डायल के जरिए पुलिस को सूचना देने का आग्रह किया. साथ ही उन्होंने ग्रामीणों को मानव तस्करी को रोकने के लिए ग्रामीणों को जागरूक करते हुए कहा अगर गांव में कोई व्यक्ति बाहर में काम दिलाने का लालच देकर गांव के बहु बेटी को ले जाने की बात करे तो इसकी सूचना पुलिस को तुरंत दे पुलिस करवाई करेगी.

निर्माणाधीन सड़क के गुणवत्ता की नियमित जांच की मांग

पाकुडिया (पाकुड़) । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । प्रखंड के आदिवासी बहुल बसंतपुर पंचायत के अंतर्गत बसंतपुर ग्राम में ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल पाकुड़ के द्वारा 24,59,281 रूपये की प्राक्कलित राशि से 1500 फीट लंबी महत्वपूर्ण महत्वाकांक्षी पीसीसी पथ का निर्माण ग्रामवासियों की सुविधा हेतु किया जा रहा है। लेकिन इसमें निम्न गुणवत्ता का कार्य संवेदक के लोगों द्वारा करवाया जा रहा है। इस बाबत स्थानीय लोगों के के द्वारा बीजेपी जिला युवा अध्यक्ष को लिखित शिक़ायत की गई। जिसमें बताया गया कि संवेदक द्वारा पीसीसी सड़क निर्माण कार्य में गुणवत्ता की सरासर अनदेखी कर पीसीसी निर्माण किया जा रहा है। योजना में प्राक्कलन के अनुरूप काम नहीं किया जा रहा है। इसी शिकायत के आधार पर भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष जयसेन बेसरा ने संबंधित स्थल पर किये जा रहे सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण शनिवार को किया। इस बाबत जिलाध्यक्ष बेसरा ने कहा कि पीसीसी सड़क निर्माण में घटिया किस्म के बालू का उपयोग करने के साथ साथ अन्य निर्माण सामग्री घटिया किस्म का उपयोग किया जा रहा है। संवेदक की मिलीभगत से ग्रामीण विकास की राशि को सरेआम लूटने का कार्य किया जा रहा है। इस सड़क की जांच करने के लिए वरीय पदाधिकारी को पत्र लिखा जाएगा। उन्होंने कहा कि यह सड़क इस गांव के ग्रामीणों के लिये एक लाइफ लाईन के समान है। इसमें लूट की खुली छूट बर्दाश्त नही की जायेगी। उन्होंने जिले के उच्चाधिकारियों से इस निर्माणाधीन सड़क के गुणवत्ता की नियमित जांच की मांग की है।

डीडीसी के बॉडीगार्ड मेहबूब आलम ने अग्नि पीड़ित परिवारों को किया आर्थिक मदद

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । पाकुड़ गंधाईपुर गाँव मे कुछ दिन पहले आग के चपेट में लगभग 30 से ज्यादा घर जलकर राख हो गया। सभी परिवार के, कपड़े, वर्तन, घर का पूरा समान जल गया। उन सभी परिवार को सहायता की अति अवश्यकता है। उसी मनोकामना के साथ मदद के लिए इंसानियत फाउंडेशन के एक्टिव सदस्यों के साथ गंधाईपुर जाकर हालचाल पूछे और सभी परिवार को 1000 रु नगद राशि दिया गया एवं इंसानियत फाउंडेशन के सदस्यों ने कहा की ईद के पहले हमलोग सुखा राशन देकर मदद पहुंचायेंगे। मौके पर मेहबूब आलम, केबलू, सानाउल, फरजन, असिकुल, जियाउल, बानिज शेख मौजूद रहा है।

झारखंड राज्य क्रिकेट संघ ने अंतर जिला अंडर-16 क्रिकेट प्रतियोगिता ग्रुप-एफ का मैच गिरिडीह में आयोजित

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । झारखंड राज्य क्रिकेट संघ ने अंतर जिला अंडर-16 क्रिकेट प्रतियोगिता ग्रुप-एफ का मैच गिरिडीह में आयोजित किया है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पाकुड़ जिला अंडर-16 क्रिकेट टीम आज सुबह बस द्वारा गिरिडीह रवाना हुई। ग्रुप-एफ में पाकुड़ जिला का मुकाबला सिमडेगा, सरायकेला खरसावां एवं गिरिडीह से होगा। पाकुड़ का पहला मैच 16 अप्रैल को सिमडेगा से, दुसरा मैच 18 अप्रैल को सरायकेला-खरसावां से एवं तीसरा और अंतिम मैच 20 अप्रैल को गिरिडीह से होगा। पाकुड़ जिला क्रिकेट संघ द्वारा घोषित टीम मे रौशन मिश्रा (कप्तान), अर्जुन गोस्वामी (उप-कप्तान), यश रंजन, शेषनाथ दास, आयुष वर्मा, आलोक गोस्वामी, देव, आदर्श कुमार, विवेक, दिवांकर कुमार, जाफर, अनिसुर, राजीव कुमार शामिल हैं ' पिंकू मंडल टीम के मैनेजर होंगे। इस बात की जानकारी पाकुड़ जिला क्रिकेट संघ के कोषाध्यक्ष गणपत सिंह ने दी। टीम रवानगी के समय पाकुड़ जिला क्रिकेट संघ के सचिव वीरेंद्र पाठक, उपाध्यक्ष प्रणय तिवारी, पाकुड़ जिला स्पोर्ट्स एकेडमी के प्रशिक्षक रणवीर सिंह (रानू), सीनियर खिलाड़ी गौरव चौधरी आदि मौजूद थे।

सरकार झारखंडी छात्रो के हित में जिले के अंतिम सर्वे ऑफ सेटलमेंट खतियान आधारित नियोजन नीति परिभाषित करें - राजेन्द्र

60/40 नियोजन नीति के विरुद्ध छात्र समन्वय समिति के बैनर तले 72 घंटे के महाआंदोलन का एलान

आगामी 17 अप्रैल को मुख्यमंत्री आवास घेराव,18 अप्रैल को राज्य के सभी 24 जिलों में मशाल जुलूस तथा 19 अप्रैल को झारखंड बंद का एलान

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

दुमका । संथाल एकेडमी सभागार में छात्र समन्वय समिति (संताल परगना प्रमंडल) दुमका के अन्तर्गत सिदोझकान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका के समस्त महाविद्यालय छात्रावासों के छात्र नायकों, विभिन्न छात्र संगठनों के छात्रनेता एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के द्वारा एक बैठक बुलाई गई जिसमें 60-40 नियोजन नीति के विरुद्ध छात्र समन्वय समिति एवं झारखंड स्टेट स्टुडेंट यूनियन के द्वारा आगामी दिनांक 17अप्रैल को मुख्यमंत्री आवास घेराव, 18 अप्रैल को राज्य के सभी 24 जिलों में मशाल जुलूस तथा 19 अप्रैल को झारखंड बंद का निर्णय लिया गया। बताया कि बंदी में अपातकालीन सेवा, एम्बुलेंस सेवा, प्रेस, बराती गाड़ी, पुलिस प्रशासन की गाड़ी, अग्निशमन सेवा एवं दुध वाहनों को छुट दी जाएगी बाकी सभी आवागमन बंद रहेंगे। मौके पर छात्र नेता शयाम देव हेंब्रम ने सभी बस एसोसिएशन,ओटो चालक ऐसोसिएशन,चेम्बर्स ओफ कामर्स अभिभावकों एवं झारखंड वासियों आग्रह किया कि झारखंडी छात्र -छात्राओ के हित में 72 घंटे के महा आंदोलन को सफल बनाने में सहयोग करें।छात्र नेता राजीव बास्की ने कहा कि आज झारखंड राज्य को बने 22 वर्ष हो गए, उसके बाद भी ठोस नियोजन नीति नहीं बनी. भाजपा ने भी 17 वर्ष राज को लूटने का काम किया और वर्तमान सरकार भी झारखंडी युवाओं को लूटने का काम कर रही है.कहा कि बाहरी लोगों को नौकरी देने का काम किया जा रहा है. आज छात्र जाग चुके है. 60:40 का अपरिपक्वनीति को वापस लेकर यहां के युवाओं के हित में नीति बनाएं अन्यथा छात्र 81 विधानसभा के विधायकों को उखाड़कर फेंकने का काम करेंगे.छात्र नेता राजेंद्र मुर्मू ने कहा कि 60:40 नियोजन नीति यथाशीघ्र रद्द करें. सरकार झारखंडी छात्रो के हित में जिले के अंतिम सर्वे ऑफ सेटलमेंट खतियान आधारित नियोजन नीति परिभाषित करें जिस तरह से दूसरे राज्य में 90–10 नियोजन नीति बनायी गयी है उसी तर्ज पर यहां भी नियोजन नीति बनायी जाए. जिस प्रकार से बिहार के नियुक्तियों में बिहार का स्थानीय निवासी और भारत का नागरिक लिखा जाता है उसी प्रकार से झारखंड के नियुक्ति नियमावली में भी झारखंड के खतियान आधारित स्थानीय निवासी भारत का नागरिक दिखाया जाए.मौके पर छात्र प्रतिनिधि विवेक हांसदा,सिकंदर रजक,ललन कुमार मंडल,शयाम सुंदर शर्मा, जनधन हसदा,सुभाषटीन हेंब्रम, विजय सिंह हंसदा, सकल हेंब्रम, बादल किस्कू,सुलेश मरांडी,शेखर दास,दिवाकर मुर्मू, सिमोन मुर्मू, मुनिलाल हांसदा,मनदीप हेंब्रम, जामताड़ा से अलकेश हांसदा, शयामसुंदर मरांडी,बबला हांसदा, काबिल हेंब्रम,उमेश टुडू,धासानंद हेंब्रम,विजय हांसदा,नवल किशोर बास्की,पाकुड़ से राणा हेंब्रम,संजीत कुमार हेंब्रम,कमल मुर्मू, बजल टुडू, प्रवीण मरांडी,भगत मुर्मू,परमेश्वर हेंब्रम, साहेबगंज से मनोहर टुडू, संजूलाल चौड़े,मंगल सोरेन, देवघर से आदित्य हांसदा,राजेश टुडू,उमेश हेंब्रम,गोड्डा से बिरेंद्र किस्कू,बिट्टू मुर्मू,सामाजिक कार्यकर्ता रवि हांसदा,कामराज मुर्मू समेत अन्य छात्र उपस्थित थे ।

संथाल परगना ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप का डीआईजी ने किया उद्घाटन

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

दुमका । इंडोर स्टेडियम में संथाल परगना प्रमंडल स्तरीय बैडमिंटन चैंपियनशिप का विधिवत उद्घाटन संथाल परगना प्रक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक सुदर्शन प्रसाद मंडल ने किया ।इस प्रतियोगिता में 13 वर्ष से कम आयुबर्ग के युगल मुकाबले में 13 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं तथा एकल मुकाबले में 42 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं इसके अलावा मेंस एकल में 25 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं तो मेंस युगल मुकाबले में 21 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं । इस प्रतियोगिता का रोचक मुकाबला वेटरन का होने वाला है जिसमे 10 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं । आपको बता दें कि संथाल परगना के सभी जिले देवघर ,जामताड़ा ,गोड्डा ,पाकुड, साहेबगंज और दुमका के खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं । उद्घाटन समारोह के मौके पर डीएसपी मुख्यालय विजय कुमार , एसडीपीओ सदर नूर मुस्तफा अंसारी, जिला खेल कूद संघ के अध्यक्ष उमाशंकर चौबे , सचिव दीपक झा मोहम्मद अकबर ,अमित चरण एंथोनी मौजूद रहे । तकनीकी कार्य मे मधुसूदन मुर्मू और शुभम गुप्ता को महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं । उद्घाटन के मौके पर डीआईजी सुदर्शन प्रसाद मंडल ने खिलाड़ियों का किया हौसला बुलंद कहा खेल को खेल की भावना से खेलें प्रयास से ही मिलती है सफलता।इस प्रतियोगिता का ×फाइनल मुकाबला रविवार को खेला जावेगा और विजेता खिलाड़ी को नगद पुरस्कार और चमचमाती ट्रॉफी दी जावेगी इसके अलावा उपविजेता खिलाड़ी को भी पुरस्कार के रूप में नगद राशी के साथ ट्रॉफी से समानित किया जाएगा । प्रतियोगिता के शुरुआती दौर में 13 बर्ष से कम आयुवर्ग बालक एकल में दुमका के प्रियम दत्ता ने गोड्डा के सुबो बोर्नल बास्की को कॉटे की टक्कर देते हुए 13-15, 18-16,11-15 से हराया प्री क्वार्टर फाइनल में अमोस हांसदा दुमका ने राहुल हेम्ब्रम जामताड़ा को 15-4,15-2 से हराया तो वहीं प्री क्वार्टर के दूसरे मुकाबले में गोड्डा के अश्विनी कुमार ने गोड्डा के ही अवनीश कुमार मुर्मू को 15-1,15-4 से हराया और ओमस सेठ देवघर ने शिवराज मुद्रा देवघर को 15-9, 15-4 से हराया । समाचार लिखे जाने तक खेल जारी है 13 वर्ष के कम आयुवर्ग के खिलाड़ियों का युगल मुकाबला जारी है देर रात तक प्रतियोगिता जारी रहने की संभावना है ।

मोटरसाइकिल चोर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

दुमका । 10 अप्रैल को जामा थाना अन्तर्गत जामा चौक के पास एक मोटरसाईकिल का दुर्घटना होने की सूचना पर थाना गश्ती दल के पदाधिकारी द्वारा दुर्घटनाकारित होण्डा ड्रीम योगा मोटरसाईकिल बिना नंबर प्लेट का इंजन नं0- ख3ऽ8ए0ळ7091289 तथा चेचिस नं० घिसा हुआ को थाना लाकर थाना परिसर में रखा गया था। तदोपरान्त दिनांक- 13.04.23 को सोनातन सोरेन उम्र करीब 27 वर्ष पे0- स्व0 लड़घा सोरेन ग्राम सोंगल पहाड़ कोल थाना जामा जिला दुमका थाना आये तथा उनका होण्डा ड्रीम योगा मोटरसाईकिल नं0- JH04R-5022, इंजन नं0- JC58ET7091289 तथा चेचिस नं0- ME4JC58ELJT091407 को दिनांक- 29.03.2023 को फुटानी चौक भुंडा मेला से चोरी होने का शिकायत किये। जिसके आधार पर जामा थाना काण्ड सं0-38/23, दिनांक-13.04.23, धारा 379 भा0द0वि० दर्ज किया गया। काण्ड के अनुसंधान एवं जाँच के क्रम में पाया गया कि उक्त काण्ड में चोरी गये मोटरसाईकिल होण्डा ड्रीम योगा को दिनांक- 10.04.23 को दुर्घटना के आलोक में थाना परिसर में लाकर रखा गया था। अग्रिम अनुसंधान के क्रम में अनुसंधानकर्ता को गुप्तचर के माध्यम से प्राप्त सूचना के आधार पर उक्त चोरी गये मोटरसाईकिल को चलाने वाले व्यक्ति संतोष हांसदा पे०- स्व० सुफल हांसदा ग्राम मधुबन थाना जामा जिला दुमका को दिनांक 15.04.2023 को विधिवत गिरफ्तार किया गया है। जिनके द्वारा पुछताछ के क्रम में अपने संलिप्तता की स्वीकार करते हुए अपने सहयोगी गणेश टुडू ग्राम बरमसिया एवं अभिशल ग्राम पियरसला दोनो थाना जामा जिला दुमका का नाम बताये हैं।

गिरफ्तारः संतोष हांसदा पे0- स्व० सुफल हांसदा ग्राम मधुबन थाना जामा जिला दुमका

फरार : गणेश टुडू ग्राम बरमसिया एवं 2. अभिशल ग्राम पियरसला दोनो थाना जामा जिला दुमका

बरामदः होण्डाड्रीमयोगामोटरसाईकिल नं0- JH04R-5022, इंजन नं0- JC58ET7091289 तथा चेचिस नं0- ME4JC58ELJT091407

छापामारी दल में शामिल पुलिस पदाधिकारीः पुलिस निरीक्षक सदर अंचल श्री वकार हुसैन , थाना प्रभारी जामा, जितेन्द्र साहु , पु0अ0नि0 सह अनुसंधानकर्ता सुमित कुमार, जामा थाना, दुमका, पु0अ0नि0 रविशंकर सिंह, जामा थाना, दुमका,जामा थाना रिजर्व गार्ड के आरक्षी / हवलदार है।

सरैयाहाट प्रखंड अंतर्गत बढ़ेत पंचायत के मुखिया सुरेश मुर्मू की गोली मारकर हत्या

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

दुमका । जिला के सरैयाहाट प्रखंड अंतर्गत बढ़ेत पंचायत के मुखिया सुरेश मुर्मू की अज्ञात अपराधियों ने गोली मार की हत्या कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार हंसडीहा उच्च विद्यालय के समीप से जालवे जाने वाले रास्ते में मुखिया की अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी है.घटना तकरीबन शाम छह से सात बजे के बीच की बतायी जा रही है. समाचार लिखे जाने तक पुलिस घटनास्थल पर पहुंच चुकी थी. हंसडीहा पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर गहन छानबीन कर रही है, पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है। मामले में पुलिस का बयान नहीं लिया जा सका.

स्व विनोद पहाड़िया की स्मृति में आयोजित दो दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट में कमरडीहा की टीम विजयी

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । जिले के अमड़ापाड़ा प्रखंड क्षेत्र के पाडेरकोला गोसाइंपुर पहाड़िया कॉलोनी फुटबॉल मैदान में स्व विनोद पहाड़िया की स्मृति में दो दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन स्व विनोद पहाड़िया मेमोरियल फुटबॉल चैंपियनशिप के द्वारा किया गया. फाइनल मैच शनिवार को एफसी अमलागाछी बनाम कमरडीहा के बीच खेला गया। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने स्व. विनोद पहाड़िया के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्य अतिथि जिप सदस्य प्रियंका मालतो के साथ शिवचरण मालतो सहित स्व. विनोद पहाड़िया के परिवार के सदस्यों ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर परिचय प्राप्त किया। कमरडीहा की टीम और एफसी अमलागाछी के दोनों टीमों के बीच टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला शुरू हुआ। फाइनल मैच में कमरडीहा की टीम ने एफसी अमलागाछी को एक गोल से हराकर प्रतियोगिता की विजेता बनी। वहीं मैच की समाप्ति के बाद स्व विनोद पहाड़िया मेमोरियल फुटबॉल चैंपियनशिप की विजेता टीम कमरडीहा को प्रखंड की जिला परिषद सदस्य प्रियंका मालतो एवं हिल एसेम्बली पहाड़िया महासभा के महासचिव शिवचरण मालतो के द्वारा संयुक्त रूप से पचास हजार रुपए एवं एक कप देकर पुरस्कृत किया गया। वहीं प्रतियोगिता के उपविजेता एफसी अमलागाछी की टीम को चालीस हजार रुपए नगद एवं एक कप देकर पुरस्कृत किया गया। साथ ही टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली आलूबेड़ा एवं नूनपाड़ा फुटबॉल टीम को दस हजार रुपए देकर पुरस्कृत किया गया। वहीं फुटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल मैच में स्थानीय बच्चे-बच्चियों द्वारा आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किया गया। प्रतियोगिता को सफल आयोजन में जिप सदस्य प्रतिनिधि गुणा मुर्मू, राजकिशोर पहाड़िया, चंदन कुमार देहरी, छोटो हेम्ब्रम, चार्लस हेम्ब्रम, नाजिर सोरेन, सनातन हेम्ब्रम सहित अन्य खेलप्रेमियों का सक्रिय योगदान रहा।

संक्षिप्त समाचार

मुफ्त नेत्र जांच शिविर का आयोजन

दुमका । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । रामगढ़ प्रखंड अंतर्गत लखनपुर गाँव के नर्मदेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में आयोजित भागवत महापुराण कथा सप्ताह के अंतिम दिवस पर अमिता रक्षित (पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष)के नेतृत्व में तथा भारती अस्पताल (मल्टी स्पेशलिटी) के सौजन्य से कोलकाता से आये हुए चिकित्सक द्वारा मुफ्त नेत्र जाँच तथा स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया गया' शिविर में कुल 125 मरीजों की जाँच की गयी जो अलग अलग बीमारियों से ग्रसित थे। उक्त शिविर में जेनरल फिजिशियन दीपांजन हलधर तथा नेत्र रोग विशेषज्ञ ध्रुव सरकार एवं सीनियर नर्स प्रीति साहा, प्रतिमा टुडू,अरुण भंडारी एवं बिपुल भंडारी द्वारा मरीजों की जाँच की जा रही थी' उक्त शिविर में मुख्य सहयोगी के तौर पर निर्मल कुमार साह, अंशु कुमार मिश्रा, रंजीत मंडल, आनंद कुमार तथा शेरसिंह प्रसाद मंडल का सहयोग सराहनीय रहा।

जिले के रिक्ति के विरुद्ध विभाग द्वारा प्राप्त कराई गई अनुशंसा

देवघर । रिपब्लिक नेशन। उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री के निर्देशानुसार स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक (सीधी भर्ती) के पद पर नियुक्ति हेतु देवघर जिले के रिक्ति के विरूद्ध विभाग द्वारा अनुशंसा प्राप्त कराई गई है। उक्त के क्रम में सर्वप्रथम काउंसलिंग किया जाना है, इस हेतु आपका शैक्षणिक/ प्रशैक्षणिक योग्यता व अन्य प्रमाण पत्र यथा-मैट्रिक, इंटर, स्नातक, स्नातकोत्तर एवं बी0एड0, आवासीय,जाति प्रमाण पत्रों (यदि आरक्षण का लाभ लिया गया है तो)एवं झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा उपलब्ध कराये गये दस्तावेज से मिलान संबंधित संस्थान की मान्यता संबंधी जाँच आदि की आवश्यकता है। उक्त के संबंध में अधोहस्ताक्षरी कार्यालय प्रकोष्ठ में दिनांक 18.04.2023 को 11.00 बजे पूर्वाह्न से काउंसलिंग हेतु तिथि का निर्धारण किया जाता है। अतःसभी को आदेश दिया जाता है, कि आप मैट्रिक, इंटर, स्नातक, स्नातकोत्तर एवं बी0एड0, आवासीय, जाति प्रमाण पत्रों (यदि आरक्षण का लाभ लिया गया है तो) एवं झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा उपलब्ध कराये गये दस्तावेज आदि की मूलप्रति एवं स्वंय अभिप्रमाणित प्रति एक फोल्डर में मूल प्रति तथा दूसरे फोल्डर में (स्वंय अभिप्रमाणित प्रति) के साथ-साथ पत्र में उल्लेखित तिथि समय व स्थान पर उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

चलाया गया हेलमेट चेकिंग अभियान

देवघर । रिपब्लिक नेशन। नगर थाना अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में लगातार हेलमेट जांच अभियान चलाया जा रहा है इसी क्रम में शनिवार को बस स्टैंड पुराने झरना चौक पर जांच अभियान चलाया गया।मौके पर देखते देखते दर्जनों मोटरसाइकिल चालकों को रोका गया जो विना हेलमेट पहने वाहन चला रहे थे।वहीं इस दौरान सभी का चालान काटते हुए हेलमेट पहनकर ही दो पहिया वाहन चलाने की हिदायत देकर छोड़ा गया।मौके पर बहुत से युवाओं को उपस्थित पुलिस के अधिकारी और सिपाही से बहस करते हुए भी देखा गया।बताते चलें कि शहर के अंदर बीते एक देढ़ वर्षों से लगातार वाहन नियम को लागू करवाने को लेकर समय-समय पर अभियान चलाया जा रहा है किंतु लोग हैं कि मानने का नाम ही नहीं लेते हैं ओर बिना हेलमेट के बाइक लेकर निकल जाते हैं, नतीजा पकड़े जाते हैं और उनका चालान भी काटा जाता है और घंटो रुकना भी पड़ता है पर लोग नियम को फॉलो करनें के लिए तैयार नहीं?

राज्य में चरमराई विद्युत व्यवस्था से विद्युत उपभोक्ताओं को हो रही परेशानी

- **व्यवस्था में अविलंब सुधार लाने की सरकार से मांग**

देवघर । रिपब्लिक नेशन। झारखंड प्रदेश कांग्रेस सेवादल के प्रदेश उपाध्यक्ष अजय कुमार ने राज्य में चरमराई विद्युत व्यवस्था में अविलंब सुधार लाने की मांग राज्य सरकार से की है।श्री कुमार ने कहा कि पूरे राज्य में चरमराई विद्युत व्यवस्था के चलते विद्युत उपभोक्ताओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, खासकर व्यवसायिक वर्गो के लोगों को तो और भी ज्यादा, इतना ही नहीं बिजली की अनियमित आपूर्ति के चलते छात्रों एवं आम लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।श्री कुमार ने कहा कि राज्य में उत्पन्न बिजली संकट के कारण राज्य की जनता को हो रही परेशानियों को मद्देनजर रखते हुए राज्य में चरमराई विद्युत व्यवस्था से विद्युत उपभोक्ताओं को निजात दिलाने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा अविलंब कारगर कदम उठाने की जरूरत है।

प्रखंड विकास पदाधिकारी ने सभागार में किया साप्ताहिक समीक्षा बैठक

देवघर । रिपब्लिक नेशन। प्रखंड विकास पदाधिकारी देवघर जितेंद्र कुमार यादव की अध्यक्षता में प्रखंड सभागार में सभी ग्राम रोजगार सेवकों एवं बीपीओ मनरेगा के साथ साप्ताहिक समीक्षा बैठक की गई। बैठक में उन्होंने सभी रोजगार सेवकों को वित्तीय वर्ष 2023 -24 में बिरसा हरित ग्राम योजना के कार्यान्वयन हेतु मुख्य गतिविधि एवं समय -सारणी के संबंध में दिया दिशा निर्देश। वीर शहीद पोटो हो खेल विकास योजना के तहत खेल मैदान निर्माण के संबंध में सभी ग्राम रोजगार सेवक को निर्देश दिया कि शीघ्रता- शीघ्र सूची उपलब्ध कराएं एवं कार्य में तेजी लाएं। उन्होंने मनरेगा मजदूरों का आधार नंबर प्रविष्टि का पंचायत वाइज रिव्यू भी किया तथा छूटे हुए मजदूरों का डाटा शिडिंग कराने का दिया निर्देश। लंबित योजनाओं को यथाशीघ्र पूर्ण करने का तथा सभी ग्राम रोजगार सेवकों को इस पर कार्य करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने मेजरमेंट बुक का ससमय एमआईएस में एंट्री करने का निर्देश सभी कनीय अभियंताओं को दिया। इसके साथ -साथ बीडीओ ने प्रधानमंत्री आवास का भौतिक प्रतिवेदन उपलब्ध कराने एवं अंबेडकर आवास का फाइनल यथाशीघ्र करने सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने पंचायत सुदृढ़ीकरण करने के लिए सभी पंचायतों का अकाउंट नंबर जमा करने के लिए कहा। साथ ही सभी को रॉयल्टी जमा करने का भी निर्देश दिया । बैठक में सभी पंचायत सचिव ,पंचायत रोजगार सेवक, के साथ-साथ सुपरवाइजर उपस्थित थे। मुख्य रूप से सुधांशु शेखर सिंह, शशांक शेखर, आशीष रंजन,लक्ष्मी नारायण रावत, विनीत ,प्रवीण ,परिमल देव, राजेश वर्मा, चंद्रशेखर वर्मा ,सत्यम, परिमल, उदय पांडे के साथ-साथ सभी रोजगार सेवक उपस्थित थे।

आंगनबाड़ी केन्द्र में उपायुक्त की उपस्थिति में बच्चों को दिया गया मिजिल्स रूबेला का टीका

उपायुक्त ने आंगनबाड़ी केन्द्र के बच्चों के साथ मड़ुआ से बने हलुआ का किया सेवन

बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य के साथ पोषण पर विशेष ध्यान रखने की जरूरत -उपायुक्त

देवघर ।

उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री ने देवघर शहरी क्षेत्र अन्तर्गत आंगनबाड़ी केन्द्र हिरणा-2का निरीक्षण कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया।इस दौरान उपायुक्त ने आंगनबाड़ी केन्द्र में बच्चों के उपस्थिति व केन्द्र से जुड़े टीएचआर एवं विभिन्न पंजियों की जांच करते हुए संबंधित अधिकारियों को निदेशित किया कि पंजी को दुरूस्त करने के साथ आंगनबाड़ी केन्द्र के प्रांगण में किचन गार्डेन के साथ ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगायें, ताकि आंगनबाड़ी केन्द्र का प्रांगण हरा-भरा व सुंदर दिखे।

इसके अलावे उपायुक्त श्री मंजूनाथ

भजंत्री ने आंगनबाड़ी केन्द्र हिरणा-2 में बच्चों से बातचीत करते हुए उन्हें मिल रही विभिन्न सुविधाओं से अवगत हुए। साथ ही बच्चों के साथ मड़ुआ से बने हलुआ का सेवन किया। साथ ही आंगनबाड़ी केन्द्र के सहिया व सहायिका को निदेशित करते हुए कहा कि बच्चों को ज्यादा से ज्यादा मड़ुआ से बने खाद्य पदार्थों के अलावा पोषण

बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थों का सेवन बच्चों को करायें। आगे उपायुक्त की उपस्थिति में आंगनबाड़ी केन्द्र बच्चों को मिजिल्स रूबेला का टीका व पल्स पोलियो की खुराक दी गयी। इस दौरान उपायुक्त ने सभी से आग्रह करते हुए कहा कि जिले में मिजिल्स रूबेला टीकाकरण अभियान के तहत 9 माह से 15 वर्ष के शत प्रतिशत बच्चों टीके से आच्छादित किया जा रहा है। ऐसे में सभी से आग्रह होगा कि अपने बच्चों के साथ-साथ दूसरों को भी मिजिल्स रूबेला टीकाकरण अभियान की जानकारी से अवगत करायें, ताकि लक्ष्य के अनुरूप जिले के शत प्रतिशत बच्चों को मिजिल्स रूबेला से आच्छादित किया जा सके।

इस दौरान जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी रवि कुमार,जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमजी रून्नु मिश्रा,डीसी सेल से सुश्री देवांजलि मंडल, किरण छप्पा,रवि पांडे, सहायक जनसम्पर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी एवं संबंधित विभाग के अधिकारी आदि उपस्थित थे।

उच्च न्यायालय के न्यायाधीश श्री एस.एन पाठक व एस.के द्विवेदी ने सपरिवार बाबा बैद्यनाथ किया पूजा अर्चना

देवघर ।

झारखंड उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश श्री एस.एन पाठक व एस.के द्विवेदी ने सपरिवार बाबा बैद्यनाथ की पूजा-अर्चना कर बाबा का आशीर्वाद लिया। इस दौरान मंदिर पहुंचने पर प्रशासनिक भवन में तिर्थ पुरोहितों द्वारा मंत्रोच्चार के साथ उन्हें संकल्प कराया गया। इसके पश्चात मुख्य न्यायाधीश द्वारा द्वादश ज्योतिर्लिंग का जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की गयी।

इसके अलावा मौके पर उपस्थित उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री ने झारखंड

उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश श्री एस.एन पाठक व एस.के द्विवेदी को भेंट स्वरूप स्मृति चिन्ह व बाबा मंदिर का प्रसाद प्रदान कर उनका अभिवादन किया। इस मौके पर जिले के

वरीय न्यायाधीशगण, अंचलाधिकारी देवीपुर सुनील कुमार,बाबा मंदिर के मुख्य प्रबंधक रमेश परिहस्त एवं संबंधित अधिकारी व पुलिस पदाधिकारी एवं अन्य उपस्थित थे।

सभी प्रखंड के मनरेगा आपूर्तिकर्ता द्वारा लगाया जा रहा है सरकार के खजाने में सेंध

देवघर । मनरेगा द्वारा क्रियान्वित योजनाओं में जिला द्वारा मंजूरी देकर योजनाओं में मनरेगा सामग्री आपूर्ति करने हेतु हर प्रखंड में मनरेगा आपूर्तिकर्ता की नियुक्ति होती है,पर पंचायत स्तर के कर्मियों की मिलीभगत से मनरेगा अधिनियम का उल्लंघन करते हुए मनरेगा आपूर्तिकर्ता द्वारा योजनाओं में सामग्री का देते हैं।हकीकत तो यह है मनरेगा योजनाओं में स्वंय लाभुक सामग्री खरीदते हैं,कमोवेश मनरेगा

आपूर्तिकर्ता किसी प्रकार का प्रतिष्ठान नहीं है अगर है भी तो उसमें सामग्री नहीं है,सिर्फ और सिर्फ मनरेगा आपूर्तिकर्ता अपना जीएसटी नंबर वाले विपत्र पंचायत की कर्मियों की मिलीभगत से लाभुक को बेचते हैं।वहीं सामग्री में काटे गए रॉयल्टी की राशि जमा नहीं करते हैं और अपने पैकेट को गर्म करते हैं पर इसका सुधि लेने वाला कोई नहीं है?इसकी जांच अगर पारदर्शिता और निष्पक्ष तरीके से बिक्री कर विभाग, आयकर विभाग द्वारा हो तो एक बहुत बड़े घोटाले का उजागर होगा और मनरेगा आपूर्तिकर्ता द्वारा राजस्व की वसूली की जा सकती है।

जी. डी. डीएवी भण्डारकोला में सम्मान समारोह आयोजित

देवघर।

आज गीता देवी डीएवी पब्लिक स्कूल भण्डारकोला में छात्र सम्मान समारोह आयोजित किया गया ।इस अवसर पर वर्ष 2022-2023 सत्र में अपने-अपने वर्ग में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले एलकेजी से नवमी और ग्यारहवीं कक्षा के छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया। इस अवसर पर बच्चों के माता -पिता, दादा -दादी और नाना -नानी भी भारी संख्या में मौजूद थे। विद्यालय के प्राचार्य डॉ विजय कुमार और डीएवी महेशपुर के प्राचार्य डॉ एस एन सिंह ने बच्चों को प्रमाण पत्र व मेडल देकर सम्मानित किया। इसके पूर्व छात्रों के साथ यज्ञशाला में हवन आदि का कार्यक्रम आयोजित हुआ। सम्मान समारोह स्थल पर प्राचार्य डॉ विजय कुमार और अभिभावकों ने दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की।इस अवसर रंगारंग कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। बच्चों ने सुमधुर स्वागत गीत की प्रस्तुति की और डीएवी गान का गायन प्रशाल में उपस्थित सभी लोगों ने किया। इसके बाद अनन्या एंजल ने कथक की बेहतरीन प्रस्तुति की और स्नेहा मण्डल ने बेटी बचाओ के मार्मिक थीम पर जबरदस्त नृत्य किया।विद्यालय के प्राचार्य डॉ विजय कुमार ने सभी सम्मानित छात्र छात्राओं व उनके अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यालय के लिए गौरव की बात है कि हम छात्रों को सम्मानित कर रहे हैं। उन्होने बताया कि पद्म श्री, आर्य रत्न, डॉ. पूनम सूरी जो कि डीएवी कॉलेज प्रबंध समिति, नई दिल्ली के अध्यक्ष और डीएवी विश्वविद्यालय, जालंधर के कुलपति हैं तथा डीएवी कॉलेज प्रबंध समिति, नई दिल्ली के डायरेक्टर पी एस -क डॉ जे पी शूर के कुशल मार्गनिर्देशन में और अभिभावकों के सकारात्मक सहयोग से विद्यालय नित नई ऊंचाईयों को छूता जा रहा है। प्राचार्य ने उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाल्व छात्र-छात्राओं को भविष्य में ऐसे ही प्रदर्शन करने की सलाह देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में मंच संचालन अभिषेक सूर्य ने किया और धन्यवाद ज्ञापन पार्थ गुहा ने किया। कर्यक्रम को सफल बनाने में कुमारी खुशबू सिंह, प्रमोद कुमार, अमृता लक्ष्मी,आर पी यादव,सुधा कुमारी मिश्रा, राजरानी, बी के राणा, बिनायक कुमार विनीत, अभिषेक सूर्य और पार्थ गुहा कि महती भूमिका रही।

राष्ट्रीय लोक अदालत का 13 मई को किया जायेगा आयोजन

देवघर । जिला विधिक सेवा प्राधिकार,देवघर द्वारा सिविल कोर्ट परिसर में दिनांक 13.05.2023 शनिवार को प्रातः 08:00 बजे से राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार,रॉची के तत्वाधान में किया जा रहा है। राष्ट्रीय लोक अदालत में सुलह-समझौते के आधार पर वादों का निष्पादन किया जाएगा जिसमें बैंक ऋण से संबंधित मामले, बिजली से संबंधित मामले, रेलवे से संबंधित मामले, मोटर एक्सिडेन्ट से संबंधित मामले,138 एन0आई0एक्ट चेक बाउंस से संबंधित मामले, बी0एस0एन0एल से संबंधित मामले, फौजदारी, क्रिमिनल सुलहनीय मामले, रेवन्यू से संबंधित मामले, वैवाहिक विवाद से संबंधित मामले, उत्पाद वाद से संबंधित मामले उपभोक्ता विवाद से संबंधित मामले,वन वाद से संबंधित मामले, भूमि अधिग्रहण एवं मुआवजा से संबंधित मामले, न्यूनतम मजदूरी विवाद एवं श्रम से संबंधित मामले, मनरेगा से संबंधित मामले एवं अन्य सभी सुलहनीय मामले जिन्हें लोक अदालत के माध्यम से सुलझाया जा सकता है आदि शामिल हैं।ऐसे में सभी संबंधित पक्षकारों से अनुरोध किया गया है कि अपने मामलों का सुलह समझौते के आधार पर राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से निस्तारण हेतु संबंधित न्यायालय/विभाग में यथाशीघ्र आवेदन देकर राष्ट्रीय लोक अदालत का अधिक से अधिक लाभ उठा सकते हैं इस संबंध में पूर्व समझौता बैठक दिनांक 13 मार्च 2023 से ही चल रहा है। अतः सभी से अनुरोध किया गया है कि संबंधित न्यायालय में दिनांक 13 मई, 2023 ;केवल कार्य दिवस के दिनद्ध तक आवेदन देकर राष्ट्रीय लोक अदालत पूर्व में समझौता बैठक के लिए गठित पीठ में अपने मामलों को रखवाकर अपने वादों का निष्पादन करवा सकते है।इस संबंध में किसी प्रकार की जानकारी के लिए कार्यालय अवधि में न्यायालय परिसर में स्थित जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कार्यालय में उपस्थित होकर प्राप्त किया जा सकता है।

विश्व कला दिवस

कला हमेशा से ही अभिव्यक्ति और भावनाओं को तलाशने का एक शक्तिशाली माध्यम रहा है : डॉ. प्रदीप सिंह देव

देवघर।

आज विश्व कला दिवस है। मौके पर स्थानीय ओमसत्यम इंस्टीट्यूट ऑफ फिल्म, ड्रामा एंड फाइन आर्ट्स के निदेशक, भारतीय कला सपूत, चित्रकला शिरोमणि व नन्दलाल बोस राष्ट्रीय शिखर पुरस्कार विजेता डॉ. प्रदीप कुमार सिंह देव ने कहा- कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए हर साल विश्व कला दिवस मनाया जाता है। कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए हर साल विश्व कला दिवस मनाया जाता है। कला हमेशा से ही अभिव्यक्ति और भावनाओं को तलाशने का एक शक्तिशाली माध्यम रहा है। यही वजह है कि कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए हर साल 15 अप्रैल को विश्व कला दिवस का आयोजन किया जाता है। साथ ही इस दिन के बहाने सामान्य लोगों के बीच अलग अलग कलाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने का काम किया जाता है। पहली बार विश्व कला दिवस यानी वर्ल्ड आर्ट डे 15 अप्रैल 2012 में मनाया गया था। इस दिन को आधिकारिक उत्सव के तौर पर लॉस एंजिल्स में 2015 में मनाया गया। इसके बाद विश्व कला दिवस यूनेस्को द्वारा समर्पित एक दिन

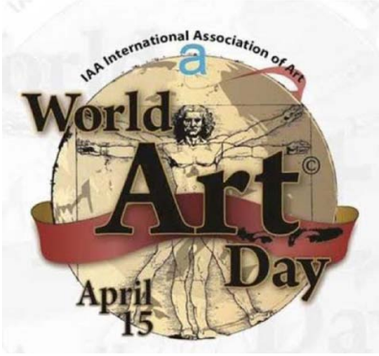

है जिसे 2019 में यूनेस्को के सामान्य सम्मेलन के 40वें सत्र में घोषित किया गया। तब से हर साल दुनियाभर में अलग-अलग कलाओं से जुड़े लोग इस दिन को कला दिवस के रूप में सेलिब्रेट करते हैं और कला व कलाकारों के प्रति अपना सम्मान जताते हैं। 15 अप्रैल 1452 को इटली के महान चित्रकार लिओनार्दो दा विंची की जयंती है। वे इटली के महान चित्रकार, मूर्तिकार, वास्तुशिल्पी, संगीतज्ञ, कुशल यांत्रिक, इंजीनियर और वैज्ञानिक थे। कला में उनकी परंगतता की वजह से उन्हें दुनियाभर में सम्मान मिला और आज उनकी जयंती पर विश्व कला दिवस का आयोजन किया जाता है। डॉ. देव ने आगे कहा - भारतीय परम्परा के अनुसार कला उन सारी क्रियाओं को कहते हैं जिनमें कौशल अपेक्षित हो।

यूरोपीय शास्त्रियों ने भी कला में कौशल को महत्त्वपूर्ण माना है। कला एक प्रकार का कृत्रिम निर्माण है जिसमे शारीरिक और मानसिक कौशलों का प्रयोग होता है। कला एक एसी बहुमूल्य सम्पत्ति है जो होती तो सभी के पास है पर इसका आभास हर किसी को नहीं होता है। और अगर हो भी जाये तो कभी-कभी अपनों के द्वारा या कभी परायों के द्वारा दबा दिया जाता है, और मजबूर किया जाता है उसे बाकियों के संत भेड़ चाल चलने को। जीवन, ऊर्जा का महासागर है। जब अंतश्चेतना जागृत होती है तो ऊर्जा जीवन को कला के रूप में उभारती है। कला जीवन को सत्यम् शिवम् सुन्दरम् से समन्वित करती है। इसके द्वारा ही बुद्धि आत्मा का सत्य स्वरुप झलकता है। कला उस क्षितिज की भाँति है जिसका कोई छोर नहीं, इतनी विशाल इतनी विस्तृत अनेक विधाओं को अपने में समेटे, तभी तो कवि मन कह उठा- साहित्य संगीत कला विहीनः साक्षात पशुः पुच्छ विषाणहीनः ॥

मधुपुर में शैक्षणिक समिति की एक बैठक प्रभारी प्राचार्य की अध्यक्षता में आयोजित की गई

मधुपुर । महाविद्यालय, मधुपुर में शैक्षणिक समिति की एक बैठक शिक्षक कक्ष में प्रभारी प्राचार्य डॉ रत्नाकर भारती की अध्यक्षता में आयोजित की गई! सबसे पहले सभा को संबोधित करते हुए प्रभारी प्राचार्य ने पूर्व की बैठक की समीक्षा की और आज के बैठक में मुख्य विषय महाविद्यालय में आयोजित हो रहे आगामी व्याख्यानमाला सफलता पूर्ण आयोजित कैसे हो इस पर चर्चा हुई, ज्ञात हो कि

17 अप्रैल 2023 सोमवार के दिन 11:00 पूर्वाहन में हॉल संख्या आठ में एक व्याख्यान माला का आयोजन हो रहा है प्रभारी प्राचार्य डॉ रत्नाकर भारती ने अपने संबोधन में कहे की मधुपुर महाविद्यालय के छात्रों के लिए बड़ा ही सुनहरा अवसर है कि उन्हें इस प्रकार के आयोजित हो रहे व्याख्यानमाला में सम्मिलित होने का मौका मिल रहा है उन्होंने कहा की इस व्याख्यानमाला में महाविद्यालय के विज्ञान, कला एवं वाणिज्य संकाय के सभी छात्र छात्राएं भाग ले सकते हैं और ज्ञान के इस ज्योति का लाभ उठा सकते हैं साथ ही साथ प्राध्यापकों से आग्रह किए कि मधुपुर महाविद्यालय के वैसे छात्र-छात्राएं जो महाविद्यालय में क्लास करने नहीं आते हैं और ना ही महाविद्यालय के किसी भी एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटीज में भाग लेते हैं उन्हें सख्त रूप से हिदायत दी जाए कि यदि वह कक्षा में उपस्थिति अपनी दर्ज नहीं करेंगे , तो उन्हें परीक्षा फॉर्म भरने से वंचित कर दिया जाएगा ।

बैठक में दर्शनशास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ भरत प्रसाद, हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ रंजीत कुमार, राजनीतिक विज्ञान के विभागाध्यक्ष श्री विजेंद्र तुरी, इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष श्री महेंद्र एक्का, राजनीतिक विज्ञान के प्राध्यापक श्री प्रेम रोशन एक्का ,इतिहास विभाग के प्राध्यापक डॉ अश्वनी कुमार, अंग्रेजी विभाग के प्राध्यापक प्रोफेसर होरन हादसा, वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष श्री रंजीत कुमार प्रसाद, गणित विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ उत्तम शुक्ला आदि मौजूद थे ।

संक्षिप्त समाचार

जंगल में लगी आग, छोटे पौधे जलकर हुए राख

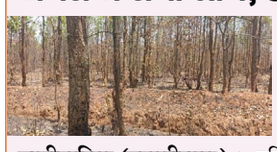

टाटीझरिया (हजारीबाग) । प्रतिवर्ष जंगल में महुआ चुनने वाले लोगों द्वारा आग लगा दी जाती है, ताकि उन्हें महुआ चुनने में कोई परेशानी न हो। जंगल में लगी आग को बुझाना किसी के वश की बात नहीं होती। एक स्थान पर आग लग जाती है तो धीरे -धीरे पूरा जंगल आग की आगोश में आ जाता है। पेड़ -पौधे,जीव -जंतु सब इससे परेशान हो जाते हैं और इसकी समझदारी आग लगाने वालों को नहीं होती। अब महुआ का समय समाप्ति पर है,फिर भी आग लगाई जा रही है। खैरा के जंगलों में इन दिनों अपनी विकराल रूप धारण कर लिया है। बेड़मक्का -खैरा गांव के बीच कई एकड़ जंगल और खैरा - बरकट्ठा के बीच जंगलों में आग इस कदर फैली है कि सब कुछ जलकर खाक हो गया है। जले जंगल को देखकर आंखों तले अंधेरा छा जाता है।

जंगल में आग की वजह से जंगली जानवरों में अफरा -तफरी मैच जाती है। वे इधर -उधर दौड़ -भाग करने लगते हैं । इस दरम्यान वे गावों की ओर कुछ करने लगते हैं। इन जंगलों में निवास करने वाले तीतर, लोमड़ी, लकड़बग्घा ,मोर, हिरण, जंगली मुर्गा समेत अन्य जंगली पशु -पक्षियों का जान सांसत में है। जंगली हाथियों द्वारा यदि गावों में बरबादी की जाती है तो उसका कारण भी शायद यही है।

दोहरी नीति को युवा राजद स्वीकार नहीं करेगी : बिट्टू

निरसा । युवा राजद के जिला अध्यक्ष राजेश कुमार उर्फ बिट्टू मिश्रा के नेतृत्व में शनिवार को पार्टी कार्यकर्ताओ ने तीन नंबर चढ़ाई स्थित डॉ भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा को गंगाजल से स्नान करवाकर माल्यार्पण किया। उन्होंने कहा कि ऐसे विचारधारा वाले पार्टी जिसने बाबा साहेब द्वारा लिखित लोकतांत्रिक व्यवस्था के विरोध में संविधान को सड़क पर जलाने का काम किया है। आरक्षण विरोधी का सहयोग करते है। बाबा साहेब द्वारा लिखे गए लोकतंत्र के दर्पण संविधान को भी बदल देना चाहते है। वैसे विचारधारा के लोग किसी भी जाति या धर्म के हो उनकी दोहरी नीति को युवा-राजद स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि वैसे लोगों को बाबा साहेब की प्रतिमा को छूने का भी अधिकार नहीं है। राजद नेत्री सुनीता सिंह के नेतृत्व में नगर परिषद के घेराव के बाद तीन नंबर स्थित बाबा साहेब के प्रतिमा के नीचे उनका नाम लिखा गया। कहा कि संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए ऐसे विरोधी विचारधारा के लोगों, पार्टियों और दोहरी नीति को पहचान कर उनका विरोध करना होगा। मौके पर बिट्टू मिश्रा, सुनीता सिंह, लाल बाबू यादव, उपेन्द्र यादव, आनंद महतो, मोहन यादव, विक्रम यादव, सोनू खान, बादशाह खान, अभिषेक मंडल, नवाब सिद्धकी, किशोरी यादव, सोनू यादव, विक्रांत मिश्रा, अजीत सिंह, अशोक साव, जॉनी खान, सुनील रजक, मो फरहान, मनोज बावरी, संजीत साव, रवि शर्मा, मोहन सिंह आदि थे।

2030 तक डीवीसी ने 15000 मेगावाट बिजली उत्पादन का लिया लक्ष्य

निरसा । डीवीसी के चेयरमैन राम नरेश सिंह ने शुक्रवार की देर शाम को मैथन में कहा कि डीवीसी ने वित्तीय वर्ष में 25000 करोड़ का रेवेन्यू कलेक्शन किया है। जो अबतक की सबसे बड़ी रिकॉर्ड है। कम लागत में बेहतर बिजली उत्पादन के क्षेत्र में डीवीसी अन्य कंपनियों से अग्रणी है। डीवीसी और देश की आजादी के अमृत महोत्सव पर यह ऐतिहासिक क्षण हुआ है। उन्होंने कहा कि 2030 तक डीवीसी ने 15000 मेगावाट बिजली उत्पादन करने का लक्ष्य रखा है। वर्तमान में 7000 मेगावाट बिजली उत्पादन हो रहा है। कहा कि बिजली वितरण और ट्रांसमिशन के क्षेत्र में भी डीवीसी ने बेहतर प्रदर्शन किया है। ट्रांसमिशन लाइन बेहतर होने के कारण डीवीसी तेजी से बिजली आपूर्ति कर रही है। 11 हजार डिस्ट्रीब्यूटर लाइन के उपभोक्ता भी बढ़े हैं। कहा कि डीवीसी 75 फीसदी प्लांट लोड फैक्टर (पीएलएफ) की दर से बिजली उत्पादन कर रही है। जबकि भारत सरकार का मात्र 65 फीसदी ही है।

हथिया पत्थर के जंगल में लगी आग को बुझाने का प्रयास कर रहे होलंग के युवक

टाटीझरिया (हजारीबाग)। प्रखंड क्षेत्र के हथिया पत्थर के जंगल में लगी भीषण आग को बुझाने के लिए होलंग के युवक आगे आ गए हैं। होलंग निवासी अर्जुन महतो, सुजीत वर्णवाल, दिनेश कुमार, योगेंद्र कुमार, प्रमोद पटेल, हुलास महतो, पंकज, त्रिलोकी, अनुज, संतोष व अन्य ने बताया कि वह जंगल में धधक रही आग को बुझाने के लिए प्रयासरत हैं। काफी हद तक उन्होंने इस पर नियंत्रण भी पा लिया है। उन्होंने बताया कि महुआ के लालच में हरियाली को आग के हवाले कर देते हैं। इससे कितने छोटे-बडे पेड-पौधे और कीडे-मकोड़े आग की भेंट चढ़ जाते हैं। वह जंगल में लगी आग को बुझाने के लिए काफी मेहनत कर रहे हैं।

25 से मछुआरों का बेमियादी भुख हड़ताल

निरसा । पंचेत जलाशय मत्स्यजीवी संग्राम समिति के बैनर तले शनिवार को कटराल गांव में मछुआरों ने बैठक की। स्थानीय प्रशासन की उदासीनता और पंचेत डैम में प्रतिबंधित जाल उपयोग किए जाने के विरोध में 25 अप्रैल से मछुआरों ने केलियासोल प्रखंड कार्यालय के समक्ष बेमियादी भुख हड़ताल करने का निर्णय लिया है।

कहा कि पिछले वर्ष 7 नवंबर भी प्रखंड कार्यालय के समक्ष धरना दिया गया था। पुलिस और सीओ से प्रतिबंधित जाल पर रोक लगाने और कार्रवाई का आश्वासन दिया था लेकिन सकारात्मक पहल नहीं की गई। मौके पर कांग्रेस के बरिष्ठ नेता सुधांशु शेखर झा, अध्यक्ष रुस्तम अंसारी, नसीम अंसारी, उत्तम मल्लिक, राजेश लोहार, घोल्टू अंसारी, मिहिर मल्लिक, तारापद, भोलानाथ, संजय मल्लिक, नयन मल्लिक आदि थे।

कब्बडी प्रीमियर लीग के लिए खिलाड़ियों का नीलामी के द्वारा कुल 6 टीम चयन हुआ

देवघर ।

कब्बडी प्रीमियर लीग संस्करण 2 के लिए खिलाड़ियों का नीलामी के द्वारा चयन हुआ, बताते चले की लीग में कुल 6 टीम है बिलासी टाइगर्स, जसीडीह जांबाज़, शिव गंगा योद्धा, बैद्यनाथ वारियर्स, कैलाशा फाइटर एवं बंसीधर पलटन कुल 72 खिलाड़ियों का चयन किया गया। 72 खिलाड़ियों में से 28 खिलाड़ी देवघर जिला के है वही झारखंड के विभिन्न जिलों से 32 खिलाड़ी और 12 खिलाड़ी भारत के विभिन्न राज्य से है। पिछले बार के चैंपियन बिलासी टाइगर्स ने केपीएल संस्करण 2 के सबसे महंगे खिलाड़ी रितेश कुमार (देवघर) 6600 में खरीदा वही दूसरे महंगे खिलाड़ी पाकुड़ के प्रिस कुमार राय को कैलाशा फाइटरस ने 6500 में खरीदा आयोजन सचिव आशीष झा ने बताया की केपील को एक राष्ट्रीय स्तर का लीग बनाना चाहते है इसलिए इस बार अन्य राज्य से भी खिलाड़ी लिए गए है। वही आयोजन अध्यक्ष संजय मालवीय ने कहा केपीएल संस्करण 2 भव्य और रंगारंग कार्यक्रम के साथ 21 मई को के के एन स्टेडियम में शुभारंभ होगा और सभी मैच दूधिया प्रकाश में खेले जाएंगे इस बार विजेयता इनामी राशि भी बढ़ाकर 51 हजार, उपविजेता को 21000 वही तृतीय स्थान को 11,000 बाकी तीनों टीम को 5-5 हजार पुरस्कार स्वरूप दिया जाएगा।

- **टीम के सूची इस प्रकार है :**

1. बिलासी टाइगर्स
गोलू कुमार, मोनू कुमार, रितेश कुमार, गौतम कुमार, छोटू यादव, आयुष कुमार, हरीश कुमार सिंह, प्रिस यादव, राहुल कुमार, निखिल कुमार, अभिषेक एवं जतिन(राष्ट्रीय खिलाड़ी अन्य राज्य से)

2. जसीडीह जांबाज़
राहुल कुमार, रितिक पांडे, दुर्गेश कुमार, धर्म कुमार, देवाशीष पात्रा, तीजा चौहान, राहुल कुमार यादव, ऋषिकेश कुमार, अमरजीत साहनी, अंशु कुमार अंकुश एवं पुलकित यादव(राष्ट्रीय खिलाड़ी अन्य राज्य से)

3. शिव गंगा योद्धा
मयंक, प्रभाकर ठाकुर, दीपक कुमार पांडे, शुभम पांडे, जितेंद्र कुमार, रोशन कुमार, कन्हैया कुमार, राहुल गोप, पवन पटेल, अंगद कुमार हिमांशु, कन्हैया कुमार (राष्ट्रीय खिलाड़ी अन्य राज्य से)

4. वैद्यनाथ वारियर्स :
अमन कुमार पाठक, संजय यादव, करण कुमार, सचिन कुमार रावत, कुलदीप कुमार, सुमंत कुमार, अनंजय सिंह, अमन कुमार साव, प्रणय कुमार, प्रिस दुबे
साहिल एवं रोहित संगवान(राष्ट्रीय खिलाड़ी अन्य राज्य से)

5. कैलाशा फाइटर्सः
रौनक चौधरी नितेश कुमार सिंह शिवम प्रसाद अमन कुमार ओझा तेज प्रताप यादव, राहुल मद्धेशिया, राजा रणवीर, विकास कुमार, प्रिस कुमार रॉय ,बिट्टू रावत,
निशांत एवं साहिल रोहिल्ला
(राष्ट्रीय खिलाड़ी अन्य राज्य से)

6. बंसीधर पलटन
विकास कुमार, मंटू कुमार, रोहित मिश्रा, अभिषेक कुमार सिंह, सर्वोत्तम कुमार, हरिंदर पासवान, रंजन कुमार रजक , भीष्म यादव, अभिमन्यु कुमार, भोला सिंह मुंडा, राजू सिंह (साई मुम्बई एवं देवघर के खिलाड़ी) परमीत(राष्ट्रीय खिलाड़ी अन्य राज्य से)।

लहलहाती आग में चलकर व हुक के सहारे झुलकर दिया आस्था का परिचय

ईचागढ़ ।

सरायकेला खरसावां जिला के ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र में चड़क पुजा कर बंगला का पयला बैशाख पर नव वर्ष का जमकर स्वागत करने का प्रचलन आदि काल से अब तक किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्र में पयला बैशाख का स्वागत में छौऊ नाच ,डांस धमाका आदि का आयोजन शुक्रवार को रात भर जगह जगह किया गया। वहीं ईचागढ़ के लाबा गांव में शनिवार की सुबह आस्था का अजब दृश्य देखने को मिला। लहलहाती आग पर चलकर भगवान के प्रति आस्था व्यक्त किया गया। गांव की बुटन ग्वालिन लहलहाती आग में चलकर लोगों को आश्चर्य चकित कर दिया। वहीं पाट भक्ताओं ने अपने पीठ पर लोहे के कील घोंपकर लकड़ी से बने बिशेष तरह के घुंटे से करीब 40 फीट ऊंची आसमान पर घुमाया गया। अंगारों व लहलहाती आग पर चलने के बाद भी कही न जलता है और न ही फोकला ही होता है। वहीं पीठ पर लोहे के अंकुश घोंपने के बाद भी न टिटनेस का सुई लेने का जरूरत पड़ता है और न ही किसी दवा मरहम की जरूरत है। कुछ दिनों में घाव ठीक हो जाता है। सामान्यतः लोग सुई व लोहे का कील चुभने पर टिटनेस का सुई लेते हैं, लेकिन यह ईश्वर भक्ति का अद्भुत कारनामा ही है जो अपने दर्द का एहसास तक नहीं करते। इसे भक्ति कहुं या हठधर्मिता, जो सदियों से लोग इस परम्परा को निभाते आ रहे हैं। भक्ता दिनेश उरांव ने बताया कि गुरूमाता बुटन ग्वालिन लहलहाती आग में चली और भक्ता को खुंटे पर पीठ में खंजर भोंक कर आसमान में घुमाया गया। मौके पर जिप प्रतिनिधि सह मुखिया नयन सिंह मुण्डा, रामेश्वर उरांव, बांग गोप, चंदन, गोवर्धन गोप, सुकराम महतो, दिनेश उरांव, हरेकृष्ण दास, गणपति उरांव, हेमसिंह, शंकर सिंह मुण्डा आदि उपस्थित थे ।

24 कुंडीय नवचेतना जागरण गायत्री महायज्ञ का समापन

डुमरी।

इसरी बाजार के शिवाजी नगर में गत 12 अप्रैल से प्रारम्भ 24 कुंडीय नवचेतना जागरण गायत्री महायज्ञ का समापन शनिवार को पूर्णाहुति के साथ हो गया। इस दौरान उपस्थित भक्तों ने मुक्त हस्तों से दान देकर हरिद्वार से आए टीम का सम्मान किया।हरिद्वार से आए टीम के प्रवचनकर्ता संदीप पांडेय ने लोगों से नारी का सम्मान करने की अपील की।उन्होंने कहा कि नारी का पहला स्वरूप मां का होता है और मां का कलेजा निकालने के बाद भी बेटे को चोट लगने पर कलेजे से आवाज आती है चोट तो नहीं लगी।उन्होंने कहा कि पति पत्नी एक दूसरे की परिस्थिति का ख्याल रखें तो आपस में कोई तनाव नहीं हो सकता,दोनों की ही भूमिका परिवार निर्माण के लिए महत्वपूर्ण है। इसके पूर्व शुक्रवार की संध्या में आयोजित दीप महायज्ञ में हजारों महिलाओं द्वारा अपने-अपने घरों से दीप सजाकर लाए गए और यज्ञ मंडप व कथा प्रवचन हॉल में दीप यज्ञ किया गया।मां गायत्री की आरती से लोग भाव विभोर हो उठे।ऐसा लग रहा था, मानो मां ने भक्तों को साक्षात दर्शन दिया हो।समापन के दिन 70 महिला पुरुषों ने गायत्री मंत्र की दीक्षा ली। वहीं अनेक संस्कार भी संपन्न कराए गए।

समाजसेवी संस्थाओं में रोटरी कोडरमा अग्रणी : संजीव ठाकुर

झुमरीतिलैया।

संध्या शिव वाटिका में रोटरी क्लब ऑफ कोडरमा के द्वारा शनिवार संध्या आयोजित कार्यक्रम में मंडलाध्यक्ष रोटेरियन संजीव ठाकुर मुजफ्फरपुर मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित हुए उन्होंने रोटरी क्लब ऑफ कोडरमा के द्वारा किए जा रहे समाज सेवा , जरूरतमंदों की सेवा के कार्यों की समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिया अधिक से अधिक जरूरतमंदों की सेवा में रोटरी कैसे सेवा प्रदान कर सकती है इसकी जानकारी दी और जागरूकता संदेश दिया मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता मंडल अध्यक्ष संजीव ठाकुर श्रीमती पूनम ठाकुर अध्यक्ष अजय अग्रवाल फर्स्ट लेडी कंचन अग्रवाल सचिव अमर कुमार और प्रोजेक्ट डायरेक्टर अमित कुमार ने संयुक्त रूप से मंगल दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की।

अध्यक्ष ने मुख्य अतिथि को और फर्स्ट लेडी कंचन अग्रवाल ने श्रीमती पूनम ठाकुर को उसको कुछ भेंट कर स्वागत किया।

बिहार झारखंड के 103 रोटरी क्लब के मंडल अध्यक्ष रोटेरियन संजीव ठाकुर ने शाम को स्थानीय शिव वाटिका में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि रोटरी क्लब ऑफ कोडरमा के सेवा कार्य समाजसेवी संस्थाओं के बीच एक मिसाल है हमें गर्व होना चाहिए कि हम रोटेरियन है जो राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देती है। एक ओर जहां चिकित्सा के क्षेत्र में रोटरी कोडरमा आंखों का अस्पताल और डायलिसिस केंद्र चला रही हैं, वहीं प्राथमिक शिक्षा में गरीब बच्चों के लिए बाल विद्यालय चला रही है और महिला सशक्तिकरण के लिए सहेली केंद्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए महिलाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण दे रही है। अध्यक्ष अजय अग्रवाल ने उपस्थित जनसमुदाय का स्वागत करते हुए संबोधित किया। अध्यक्ष ने बताया कि झंडा चौक स्थित जेसीज द्वारा संचालित टीका केंद्र जो लंबे अरसे से बंद पड़ा था उसको रोटरी ने पूरे दायित्व बोध के साथ फिर से प्रारंभ किया है और प्रति रविवार छोटे बच्चों को आवश्यक टीके रोटरी अस्पताल परिसर में मुफ्त में लगाए जा रहे हैं।

रोटेरियन शैलेश दारूका ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया, मंच संचालन अमित कुमार ने किया। निवर्तमान सचिव नवीन जैन ने सभी आगंतुकों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कुमार पुजारा ने रोटरी द्वारा संचालित स्थाई परियोजनाओं के बारे में संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यक्रम के अंत में माला दारुका एवं कविता दारुका द्वारा मुख्य अतिथि एवं फर्स्ट लेडी को सहेली केंद्र में बनाए गए हस्तशिल्प की चीजें प्रतीक चिन्ह के रूप में भेंट की गई। कार्यक्रम में समाज के हर वर्ग के लोग उपस्थित थे जिसमें प्रमुख रूप से होटल एसोसिएशन के विनय सिंह भारत विकास परिषद के छोटे लाल पांडे एडवोकेट एवं पत्रकार अरुण ओझा विश्व हिंदू परिषद के प्रांतीय पदाधिकारी अरविंद सिंह सरस्वती शिशु मंदिर के प्राचार्य रमेश उपाध्याय इनरव्हील की अध्यक्ष मंजू कंधवे संघ के जिला कार्यवाहक श्री दिलीप सिंह जूही दास गुप्ता श्री जगदीश शंघाई मनीष जैन सेठी संजय सिंह एवं मनीष अग्रवाल रोटेरियन राजेंद्र मोदी कैलाश चौधरी प्रवीण वर्णवाल रोहित कुमार सरिता विजय कंचन भदानी कमल दारूका आशीष खेतान प्रतीक जैन गौरव पुजारा मनीष अग्रवाल आदि लोग उपस्थित थे यह सभी जानकारी जैन समाज के मीडिया प्रभारी नवीन जैन ने दीया।

मधुपुर में देशभर से जुटे शिक्षाविद्, साहित्यकार

- **सभ्यता का संकट बनाम आदिवासियत का लोकार्पण**
- **यह एक बेहद जरूरी किताब है : डॉ रवि भूषण**

मधुपुर । समाजकर्मी पर्यावरणविद घनश्याम के एकांतवास की चेतना से उपजा एक अनुभवजनित दस्तावेजःसभ्यता का संकट बनाम आदिवासियतः नामक किताब का लोकार्पण शनिवार को अग्रसेन भवन सभागार में देशभर से आए शिक्षाविद् , लेखक और साहित्यकारों ने दीप प्रज्वलित कर संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम का संचालन शायर अबरार तबिंदा और काव्या ने संयुक्त रूप से किया। मौके पर मुख्य अतिथि डॉ रवि भूषण ने कहा कि यह एक बेहद जरूरी किताब है। प्रायः सभी शहरों में पुस्तक पर विमर्श होना चाहिए। आदिवासी गांव में इस पर चर्चा होनी चाहिए। इस किताब में इतिहास, समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, अर्थशास्त्र, सभ्यता विमर्श सहित बहुत सारे चित्र सम्मिलित हैं। झारखंड सरकार के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी इस पुस्तक के आठवां और नौंवा अध्याय को क्षेत्र के विकास के लिए जरूर पढ़ना चाहिए। यह चिंतन के दायरे को बढ़ाता है। कहा कि लेखक घनश्याम की रचनाशीलता बहुत महत्वपूर्ण है। उनको यात्रा वृतांत संस्मरण भी लिखना चाहिए। डॉक्टर योगेंद्र ने कहा कि यह पुस्तक कार्यकर्ताओं के लिए मार्गदर्शन का काम करेंगी। इस पुस्तक में वैकल्पिक सभ्यता की तलाश के साथ स्वशासन, स्वावलंबन और स्वाभिमान के संबंध में विस्तार पूर्वक चर्चा की गई है। प्रोफेसर आशुतोष ने कहा कि सभ्यता का संकट बनाम आदिवासियत लेखक घनश्याम के 50 वर्षों के सार्वजनिक, सामाजिक संघर्ष के जीवन का प्रतिफल है। बाजारीकरण जैसे हवाई जहाज से उड़कर आया,वैसे ही महामारी भी आई। यह सपनों की किताब है। 80% जैवविविधता 5% आदिवासियों के पास है। आदिवासियत ही दुनिया की रक्षा कर सकता है। डॉ गीता दुबे ने कहा कि बड़ी सहजता से लेखक ने अपने अनुभव को साझा किया है। डॉ रवि शंकर सिंह ने कहा कि घनश्याम जैसे विद्वान को मधुपुर की माटी में पैदा किया है इसके लिए हमसभी आभारी हैं। घनश्याम ने कहा कि यह पुस्तक कोरोना काल में मोबाइल पर लिखी गई है ,तब जब पूरा देश दबड़े में बंद था। मानवता,वंचितों महिलाओं के लिए काम करने वाले लोगों को यह पुस्तक हैंडबुक के रूप में काम आएगी। विचारों को बरतने की जरूरत है। मौके पर डॉ सुमन लता, डॉ रवि शंकर सिंह, अरविंद कुमार, सालगे मार्डी, डॉक्टर उत्तम पीयूष, प्रकाश देवकुलिष, डॉ इतु सिंह, हेमंत, प्रोफेसर भावना शेखर, अरुण गुटगुटिया, प्रोफेसर राम तपस्वी सिंह, सुबल प्रसाद सिंह, दुष्यंत कुमार, शेखर आनंद मरांडी, कुंदन भगत, पंकज पीयूष, उदय कुमार सहित दर्जनों गणमान्य लोग उपस्थित थे।

केबी कॉलेज बेरमो में अंबेडकर जयंती मनाई गई

बेरमो । शनिवार को राष्ट्रीय सेवा योजना(इकाई 1) के तत्वाधान में केबी कॉलेज, बेरमो के जूलॉजी सभागार में अंबेडकर जयंती मनाई गई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कॉलेज के प्राचार्य प्रो.(डॉ).के.पी.सिंहा ने अंबेडकर जी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर व पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर के जीवन से विद्यार्थियों को शिक्षा लेनी चाहिए और उनके आदर्शों को अपने जीवन में सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए और बाबा साहेब हमेशा देश और दुनिया के लिए अनुकरणीय बने रहेंगे। इस कार्यक्रम में वक्ताओं ने अपने वक्तव्य रखें - बड़ा बाबू रविंद्र कुमार दास, प्रो मनोहर मांझी, डॉ अलीशा वंदना लकड़ा, डॉ प्रभाकर कुमार, डॉ एके राय महतो, धन्यवाद ज्ञापन प्रो० एल० एन० राय ने दिया वही कार्यक्रम का संचालन एनएसएस के प्रो अमित कुमार रवि ने किया। कार्यक्रम में भाषण प्रतियोगिता आयोजित किया गया था जिसके प्रथम पुरस्कार विजेता चांदनी कुमारी (मनोविज्ञान विभाग) , द्वितीय पुरस्कार खुशबू कुमारी (अंग्रेजी विभाग) एवं तृतीय पुरस्कार सुधा कुमारी (अंग्रेजी विभाग) को दिया गया जबकि पुतुल कुमारी एवं सोनाली मिश्रा को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम में प्रो० गोपाल प्रजापति, प्रो० आर पी पी सिंह, डॉ वासुदेव प्रजापति, प्रो० राजू कुमार बड़ाईक, प्रो० मधुरा केरकेट्टा, डॉ० नाज, प्रो० नितिन चेतन तिग्गा, डॉ व्यास कुमार, डॉ नीला पूर्णिमा तिर्की, प्रो पीपी कुशवाहा, इत्यादि के अलावा कर्मचारी संघ के दुर्गा प्रसाद पासवान, सदन राम, विक्रम सिंह, रवि प्रकाश यदुवेंदु, मोहम्मद साजिद, विमल कुमार, दीपक कुमार, राजेश्वर सिंह, कलावती देवी, सुसारी देवी, आशा देवी, भगन, बालेश्वर इत्यादि के अलावा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की उपस्थित रहे।

'कला और संस्कृति का बच्चों को हो ज्ञान'

कला और संस्कृति किसी भी देश के विकास में कला का महत्वपूर्ण योगदान होता है। यह साझा दृष्टिकोण, मूल्य, प्रथा एवं एक निश्चित लक्ष्य को दिखाता है। सभी आर्थिक, सामाजिक एवं अन्य गतिविधियों में संस्कृति एवं रचनात्मकता का समावेश होता है। विविधताओं का देश, भारत अपनी विभिन्न संस्कृतियों के लिए जाना जाता है।भारत में गीत-संगीत, नृत्य, नाटक-कला, लोक परंपराओं, कला-प्रदर्शन, धार्मिक-संस्कारों एवं अनुष्ठानों, चित्रकारी एवं लेखन के क्षेत्रों में एक बहुत बड़ा संग्रह मौजूद है जो मानवता की 'अमूर्त सांस्कृतिक विरासत' के रूप में जाना जाता है। इनके संरक्षण हेतु संस्कृति मंत्रालय ने विभिन्न कार्यक्रमों एवं योजनाओं को कार्यान्वित किया है जिसका उद्देश्य कला-प्रदर्शन, दर्शन एवं साहित्य के क्षेत्र में सक्रिय व्यक्तियों, समूहों एवं सांस्कृतिक संस्थानों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है।

पूजा गुप्ता
मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश)

कला एक जादू की तरह है जो विभिन्न धर्मों और उनके संस्कृतियों के बीच अंतर करने में हमारी मदद करता है। संस्कृति लोगों के भोजन, कपड़े, भाषा, त्योहार और उनके धर्मों को अलग-अलग रूप से प्रदर्शित करता हैं। आपने बगीचे में तरह-तरह के फूलों को अवश्य ही देखा होगा। हर किसी की अपनी एक अलग सुंदरता, पहचान और एक अलग प्रकार की खुशबू होती है, पर वो सभी फूल एक साथ एक बगीचे में अपनी सुंदरता और महक को चारों ओर बिखेरते हैं। उसी प्रकार हमारा देश भारत भी अनेक विभिन्नताओं वाला देश हैं, जहां विभिन्न संस्कृति और कलाएं एक साथ रहती हैं। लोग अपनी-अपनी कला और संस्कृति के साथ आपस में एकजुटता से मिलजुलकर रहते हैं। सभी मिलकर अपनी संस्कृति और परंपरा की सुंदरता को पूरी दुनिया भर में फैला रहे हैं।

कला अभिव्यक्ति के माध्यम से कहीं बढ़कर है। जबकि यह स्थानीय शिल्पकारों को उनकी रचनात्मकता और संस्कृति को बढ़ावा देने में मदद करता है, विभिन्न समुदायों के बीच तालमेल विकसित करना आवश्यक है। संस्कृति से परे, कला लोगों की संज्ञानात्मक क्षमताओं और महत्वपूर्ण कौशल को भी बढ़ावा देती है, खासकर बच्चों में। यदि कला को शैक्षणिक पाठ्यक्रम से बाहर रखा जाता है, तो बच्चे को नई संस्कृतियों और वातावरणों के अनुकूल होने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। कला युवा पीढ़ी को एक विविध राय सेट अपनाने में मदद करती है और समाज की जड़ों की ओर लोगों को सफलतापूर्वक प्रभावित करती है। यह वैज्ञानिक रूप से भी सिद्ध हो चुका है कि कला अंत:विषय क्रियाओं को कम करने, उपस्थिति बढ़ाने और बच्चों को कक्षाओं में बेहतर प्रतिक्रिया देने में मदद कर सकती है। मेरी राय में, स्कूल के कार्यक्रमों से कला को खत्म करना परेशानी को आमंत्रित करने और शिक्षा को उबाऊ बनाने का एक और तरीका है। कला के साथ, बच्चों को एक-दूसरे के साथ बंधने और रचनात्मक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर मिलता है। यह माना जाता है कि बच्चों ने रचनात्मक क्षमताओं का उपहार दिया है, और नियमित कला पाठ उनकी बुद्धि को उत्तेजित करने में मदद कर सकते हैं। जीवन के शुरुआती चरणों में, बच्चों को अक्सर भाषाई क्षमताओं और समस्या को सुलझाने के कौशल को समझने में कठिनाई होती है। हालांकि, कला बुनियादी अवधारणाओं को सरल बनाने में मदद करती है, इस प्रकार उनके समग्र शैक्षणिक कौशल को मजबूत करती है। इसका मतलब यह नहीं है कि शिक्षाविदों को कला द्वारा पूरी तरह से बदल दिया जाना चाहिए। दोनों संस्थाएँ समान रूप से महत्वपूर्ण हैं और स्कूल के पाठ्यक्रम के लिए आवश्यक होनी चाहिए।

युगपुरुष बाबासाहेब आंबेडकर: सशक्त, समरस राष्ट्र के निर्माता

20वीं सदी में भारत के राजनीतिक एवं सामाजिक परिदृश्य को जिन दो महान शख्सियतों ने सबसे ज्यादा प्रभावित किया है, वो हैं- महात्मा गांधी और बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर। यदि कहा जाए कि दोनों पुण्य आत्माओं का महति अवदान मूल्यांकन से परे है, तो यह अतिशयोक्ति न होगी। स्वयं गांधी जी कहा करते थे कि डॉ. आंबेडकर की उपलब्धियां 'दृढ़ हौसले के चमत्कारिक नतीजे' हैं। आज आंबेडकर जयंती का अवसर है। बाबासाहेब के जीवन को समग्र रूप से आत्मसात करने का पल है। बाबासाहेब का जीवन एक कालखंड मात्र नहीं था, बल्कि संघर्ष की ऐसी कहानी थी, जिसमें समाज के हर वर्ग के लिए कुछ आदर्श एवं मूल्य निहित हैं। उनके जीवन में समाज के प्रति समर्पण और समाज-निर्माण का एक अद्भुत संकल्प स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होता है। जिन संघर्षों और अवरोधों के बीच बाबासाहेब ने अपने जीवन को जिया, उसकी शायद ही कोई दूसरी मिसाल हो।

बाबासाहेब डॉ. आंबेडकर केवल एक पेशेवर वकील ही नहीं, एक महान लेखक, अर्थशास्त्री, कानूनविद्, समाजसेवी और युगद्रष्टा भी थे। भारतीय समाज व्यवस्था, आर्थिक तंत्र, राजनैतिक प्रक्रियाओं एवं सभ्यता की उपलब्धियों के प्रति बाबासाहेब की समझ अतुलनीय थी। अपनी इसी विशिष्ट प्रतिभा के चलते वे स्वतंत्र भारत के प्रथम विधि एवं न्याय मंत्री बने। वह भारतीय संविधान के जनक एवं भारतीय गणराज्य के निर्माताओं में से एक थे। भारतीय संविधान के निर्माण में उनके अभूतपूर्व योगदान के लिए उन्हें 'भारतीय संविधान का पितामह' कहा जाता है। भारतीय संविधान में बहुमूल्य योगदान तथा इस देश को एक नई दिशा देनेवाले बाबासाहेब समता, स्वतंत्रता और समरसता के सौंदर्य के स्वाभाविक प्रतीक पुरुष थे। संविधान के प्रति उनकी भावना इस हद तक जुड़ी थी कि वे कहते थे- 'संविधान मात्र वकीलों का दस्तावेज़ नहीं, बल्कि हमारे जीवन का माध्यम है।' उन्होंने यह भी कहा था, 'यदि मुझे लगेगा कि संविधान का दुरुपयोग हो रहा है तो सबसे पहले मैं ही इस संविधान को जलाऊंगा।'

देश की आजादी के बाद, देश के सामने सबसे बड़ी चुनौती एक ऐसे समावेशी, आदर्श एवं भविष्यवादी संविधान की रचना की थी, जो देश को एक दिशा दे सके और आनेवाले कालखंड में भारतीय प्रजातंत्र की जड़ों को मजबूती प्रदान करता रहे। आज हमारे पास एक ऐसा विस्तृत, सशक्त और

स्वयं गांधी जी कहा करते थे कि डॉ. आंबेडकर की उपलब्धियां 'दृढ़ हौसले के चमत्कारिक नतीजे' हैं। आज आंबेडकर जयंती का अवसर है। बाबासाहेब के जीवन को समग्र रूप से आत्मसात करने का पल है।

समावेशी संविधान है, जिसमें समाज के सभी वर्ग, वर्ण, धर्म या संप्रदाय गौरव महसूस करते हैं। इसका पूरा श्रेय बाबासाहेब को ही जाता है। इस संविधान की सबसे खूबसूरत बात यही है कि यह समाज के सभी वर्गों को समानता, एकरूपता एवं एकात्मकता के साथ लेकर चलने की बात करता है। समानता के समर्थक बाबासाहेब ने शिक्षा को लिंगेतर माना और कहा था, 'शिक्षा का अधिकार जितना पुरुष का है, उतना ही महिलाओं का भी।'

सन् 1951 में बाबासाहेब ने 'भारत के वित्तीय कमीशन' की स्थापना की। देश में प्रजातंत्र को मजबूती देने के लिए निष्पक्ष चुनाव आयोग की परिकल्पना उन्हीं की थी। उनकी सोच का ही सुखद परिणाम है कि आज भारत दुनिया के सबसे बड़े और सशक्त लोकतंत्र के रूप में सुस्थापित है। यही दृष्टि, यही विज़न आज माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की कार्यशैली में भी देखने को नजर आता है। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' की उनकी सोच शत-प्रतिशत बाबासाहेब के जीवन-अनुभव और आदर्शों से ही प्रेरित है। एक बार माननीय प्रधानमंत्री जी ने बाबासाहेब के बारे में कहा था कि 'अगर बाबासाहेब नहीं होते तो आज मैं भी नहीं होता!' निश्चित रूप से, बाबासाहेब के विजन का ही परिणाम है कि समाज के अंतिम छोर पर खड़ा व्यक्ति अपने सामर्थ्य से सर्वोच्च शिखर को हासिल कर सकता है। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसकी जीती-जागती मिसाल हैं।

मोदी जी हमेशा बाबासाहेब के विचारों से प्रभावित और प्रेरित रहे हैं। जब वे 2010 में गुजरात के मुख्यमंत्री थे तो उन्होंने एक भव्य 'संविधान गौरव यात्रा' आयोजित की थी। ऐसा करने वाले वे देश के पहले और अकेले राजनेता हैं। केवल यही नहीं, उनकी यह पदयात्रा बाबासाहेब के विचारों और संविधान के प्रति उनकी अटूट आस्था एवं निष्ठा का परिचायक है। इसकी एक झलक हमें तब देखने को मिली जब प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद वह पहली बार संसद आए तो उन्होंने न केवल संसद, बल्कि संविधान के सामने भी नतमस्तक होकर उसी उच्च और उदात्त भाव से बाबासाहेब को श्रद्धांजलि दी।

समाज और राष्ट्र की प्रगति और उत्थान को लेकर बाबासाहेब के विचार अनुकरणीय हैं। वे हमेशा मानते थे कि अगर किसी समाज की प्रगति को नापना हो तो वहां की महिलाओं के शिक्षा के स्तर को जांच लें। माननीय प्रधानमंत्री जी की 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' की सोच उनकी इसी सोच का विस्तार है, जिसे मोदी जी ने नीतिगत रूप से लागू किया है। स्वच्छ भारत, अंत्योदय योजना, उज्ज्वला योजना, डीबीटी, जनधन खाता, राष्ट्रीय शिक्षा नीति जैसे उनके प्रयास बाबासाहेब की आर्थिक-सामाजिक सशक्तीकरण के सपनों को पूरा करने के अनूठे प्रयास हैं।

कश्मीर विषय पर भी बाबासाहेब की सोच और उनके विचार एकदम स्पष्ट थे। संविधान की रचना के समय जब धारा 370 को लेकर चर्चा हो रही थी, एक घटना को जानना बहुत ही जरूरी है। प्रधानमंत्री नेहरू ने शेख अब्दुल्ला को इस विषय पर बाबासाहेब से मिलकर चर्चा करने की सलाह दी थी। डॉ. आंबेडकर ने शेख अब्दुल्ला से मुलाकात के दौरान कहा, 'यदि आप चाहते हैं कि भारत आपकी सीमाओं की रक्षा करे, आपकी सड़कें बनवाए, आपको खाना, अनाज पहुंचाए, फिर तो इस राज्य को भी वही स्टेटस मिलना चाहिए, जो देश के दूसरे राज्यों का है। इसके उलट, आप चाहते हैं कि भारत सरकार के पास आपके राज्य में सीमित अधिकार रहें और भारतीय लोगों के पास कश्मीर में कोई अधिकार नहीं रहे, अगर आप इस प्रस्ताव पर मेरी मंजूरी चाहते हैं तो मैं कहूंगा कि ये भारत के हितों के खिलाफ है। एक भारतीय कानून मंत्री के हिसाब से मैं ऐसा कभी नहीं करूंगा।' उनके शब्द इतने स्पष्ट हैं कि इसमें कोई दो राय नहीं कि बाबासाहेब कश्मीर को स्पेशल स्टेटस देने के पक्ष में बिल्कुल भी नहीं थे। उनके इस सपने को, जिसके लिए श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अपना बलिदान दिया, पूरा करने का ऐतिहासिक काम प्रधानमंत्री मोदी जी ने 5 अगस्त, 2019 को किया।

दैनिक पंचांग

16 अप्रैल 2023 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	मेष	05.38 बजे से
चंद्र	कुंभ में	वृष	07.18 बजे से
मंगल	मिथुन में	मिथुन	09.16 बजे से
बुध	मेष में	कर्क	11.29 बजे से
गुरु	मीन में	सिंह	13.46 बजे से
शुक्र	वृष में	कन्या	15.57 बजे से
शनि	कुंभ में	तुला	18.08 बजे से
राहु	मेष में	वृश्चिक	20.23 ब.से
केतु	तुला में	धनु	22.39 बजे से
राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक		मकर	00.44 बजे से
		कुंभ	02.30 बजे से
		मीन	04.03 बजे से

रविवार 2023 वर्ष का 106 वां दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2080 **शक संवत्** 1945 **मास** वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** एकादशी 18.15 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** धनिष्ठा 05.52 बजे तदनन्तर शतभिषा 04.07 बजे रात्र को समाप्त। **योग** शुक्ल(शुक्र) 00.13 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बव 07.30 बजे, बालव 18.15 बजे तदनन्तर कौलव 05.00 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 23.3 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 09° 57'
सूर्य उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871585
जूलियन दिन 2460050.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2549
हिजरी सन् 1444 **महीना** रमजान **तारीख** 24 **विशेष** वरुथिनी एकादशी, वल्लभाचार्य जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

आपका राशिफल 16 अप्रैल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अत: धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक-4-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। शुभ कार्यों का तत्काल फल मिलेगा। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी। शुभांक-5-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रख। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-6

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-4-8-9

मार्ग-दर्शन

अकबर को वापस लेना पड़ा विचित्र आदेश

एक दिन बादशाह अकबर जब दरबार में आए तो बहुत क्रोध में थे। सभी बादशाह के गर्म मिजाज को भांपकर चुप ही रहे। दरबार समाप्त होने पर बीरबल ने अकबर से गुस्से की वजह जाननी चाही तो वे बोले, 'मेरा दामाद बहुत दुष्ट है। मुझे अपनी बेटी से मिले एक साल हो गया, किंतु वह उसे भेजता ही नहीं है।' बीरबल ने कहा, 'जहांपनाह! इसमें गुस्से की क्या बात है? मैं आज ह आपकी बेटी को लाने के लिए आदमी भेज देता हूं।' अकबर बोले, 'आदमी तो मैंने भी भेजा था, किंतु दामाद ने उसे खाली हाथ लौटा दिया। वास्तव में दामाद की जात ही बहुत दुष्ट होती है। हम अपने राज्य के सभी दामादों को सूली पर चढ़ा देंगे। तुम मैदान में सूलियां तैयार करवाओ।' बीरबल ने अकबर को बहुत समझाया, किंतु उनका गुस्सा शांत नहीं हुआ। अंतत: बीरबल ने एक मैदान में कुछ सूलियां तैयार करा दीं। फिर वह बादशाह को दिखाने लाया। बादशाह बोले, 'बहुत बढ़िया। अब मैं अपने राज्य से दामादों का नामोनिशान मिटा दूंगा।' तभी बादशाह की निगाह एक सोने और एक चांदी की सूलियों पर पड़ी। उन्होंने इन कीमती सूलियों के विषय में बीरबल से पूछा, तो उसने कहा, 'जहांपनाह! आपने राज्य के सभी दामादों को सूली पर चढ़ाने का आदेश दिया है। आप और मैं भी तो किसी के दामाद हैं। तो हमें भी सूली पर चढ़ना होगा। बादशाह होने के नाते आपके लिए सोने की सूली और आपका खास आदमी होने के कारण मेरे लिए चांदी की सूली बनवाई।' बीरबल की बात सुनकर अकबर को अपनी भूल समझ में आ गई और उन्होंने तत्काल अपना आदेश रद्द कर दिया। क्रोध का प्रतिकार धैर्यपूर्ण शांति से ही संभव है, क्योंकि धैर्य रखने पर ही बुद्धि समस्या का समाधान खोज पाती है।

जीने की राह

राह मिलने वाले हर व्यक्ति से अच्छाई ले

यूं तो आप अपनी जिंदगी में अनेक लोगों से मिलतेहोंगे। कुछ ध्यान रह जाते होंगे, कुछ को ध्यान रखना पड़ता होगा। कुछ को जबर्दस्ती भुलाना पड़ता होगा और कुछ अपने आप विस्मृत हो जाते हैं। हम जागरूक ही नहीं रह पाते कि उनकी अच्छाइयों से हमने क्या फायदा उठाया। आपके संपर्क में आने वाले लोगों को तीन खानों में बांटिए। पहले, बहुत प्रगतिशील, स्पष्ट और प्रेरणा दायक। इनसे तो जितना ले सकें, ले लीजिए। पता नहीं ऐसे लोग दोबारा मिलें या न मिलें। दूसरे, जो खुद संघर्ष कर रहे हों, बहुत सफल नहीं होंगे, परेशान भी दिखेंगे, लेकिन हिम्मत नहीं छोड़ी होगी। इनसे भी कुछ लिया जा सकता है। किंतु तीसरे वर्ग में वे लोग होंगे जो बिल्कुल औसत दर्जे के होंगे, जिन्होंने अपनी लापरवाही, मूर्खता और आलस्य के कारण सफलता को दूर कर रखा होगा। ये जीवन के प्रति नकारात्मक होंगे। ऐसे लोगों से आप बच नहीं सकेंगे। इन्हें भी सुनें, समझें और इन्होंने जो किया है उसका उल्टा आप करने लगें। कभी- कभी विपरीत करने से सही परिणाम आ जाते हैं। कुछ संत इसका प्रयोग करते हैं। मेडिटेशन पूरा होने के बाद वे खड़े होकर घूमने लगते हैं। उनका कहना है कि यह भी हमारे मेडिटेशन का अंतिम पार्ट है। वैसे चलना शांति के मामले में उल्टा काम है। बैठना यानी शांति और चलना यानी उस शांति को भंग करना, लेकिन वे चलते हुए उस शांति को बनाए रखते हैं।

बठिंडा फायरिंग में कई सवाल

पंजाब के बठिंडा मिलिट्री स्टेशन पर बुधवार तड़के हुई फायरिंग की घटना जितनी गंभीर है, उतनी ही रहस्यमय भी साबित हो रही है। सेना के चार जवानों की मौत तो एक बड़ा सदमा है ही, उससे भी बड़ी बात यह है कि इस मिलिट्री स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर ऐसे सवाल उठे हैं, जो हमारी सेना की छवि के अनुरूप नहीं लगते। शुरू में ही कहा गया कि यह कोई आतंकी हमला नहीं है, बाहर से कोई नहीं आया। इसी क्रम में इसे फ्रैक्ट्रिसाइड यानी भ्रातृहत्या बताया गया। यानी किसी वजह से कोई नाराज सैनिक खुद पर काबू नहीं रखा पाया और गुस्से में फायरिंग कर उसने साथी जवानों की जान ले ली। लेकिन दो दिन पहले इंसास राइफल और उसकी गोलियां गायब हुई थीं, जिनका इस हमले में इस्तेमाल होने की बात कही जा रही है।

अगर यह बात सही है तो इसका मतलब यह एक सुनियोजित घटना थी। यह भी कहा जा रहा है कि हमलावर एक से ज्यादा थे। कुर्ता-पायजामा पहने दो नकाबपोशों को जंगल की ओर भागते देखा भी गया। यह बात भी इस घटना के फ्रैक्ट्रिसाइड होने की संभावना को खंडित करती है। दूसरी बात यह कि जब हमलावरों को पकड़ा नहीं जा सका है और न ही उनकी पहचान हो पाई है तो फिर यह बात दावे से कैसे कही जा सकती है कि इसके पीछे कोई आतंकी साजिश नहीं हो सकती? क्या यह हो सकता है कि सेना से जुड़े एकाध लोगों के जरिए इस पूरी साजिश को अंजाम दिया गया हो? क्या ऐसा भी हो सकता है कि जिन हमलावरों को जंगल की ओर भागा माना जा रहा है, वे मौका निकालकर किसी तरह वापस कैंट में आ गए हों।

अगर उनकी पहचान नहीं हुई है तो एक बार अन्य जवानों में मिल जाने के बाद उन्हें अलग करना मुश्किल होगा। कुछ और भी तथ्य हैं जिनके ठोस स्पष्टीकरण नहीं मिल रहे। कहा जा रहा है कि इंसास राइफलों के लापता होने की रिपोर्ट भी मंगलवार को दर्ज कराई गई, लापता होने के दो दिन बाद। यही नहीं, फायरिंग की घटना की रिपोर्ट दर्ज कराने में भी असाधारण देरी देखी गई। यह घटना तड़के 4.30 बजे की है, लेकिन पुलिस स्टेशन को इसकी सूचना दोपहर 2.56 बजे दी गई। पुलिस डायरी में इस घटना की पहली एंट्री दिन में 3.03 बजे हुई बताई गई है।

चूंकि यह देश की सुरक्षा और सेना की छवि से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण मसला है इसलिए इसमें किसी तरह की कयासबाजी नहीं की जानी चाहिए। लेकिन इन पहलुओं को अनदेखा भी नहीं किया जा सकता। खबरों के मुताबिक सेना और सरकार दोनों ने इसे काफी गंभीरता से लिया है और इस पूरे प्रकरण के हर पहलू पर बारीकी से जांच करवाई जा रही है। उम्मीद की जाए कि जांच के बाद न केवल सभी सवालों के जवाब मिलेंगे बल्कि सुरक्षा व्यवस्था में आई खामियों को भी दुरुस्त किया जाएगा।

आंबेडकर के सपनों को ऐसे किया जा रहा है पूरा

आज राष्ट्र डॉ. भीमराव आंबेडकर की 132वीं जयंती मना रहा है। यह एक विशेष अवसर इसलिए भी है, क्योंकि यह आंबेडकर के शोध प्रबंध 'द प्रॉब्लम ऑफ रूपी: इट्स ओरिजिन एंड इट्स सॉल्यूशन' का भी 100वां वर्ष है, जिसने 1934 में भारतीय रिजर्व बैंक की नींव रखी थी। यह वही समय था, जब देश औपनिवेशिकता की बेड़ियों में बंधे अपने आवरण से छूटने की योजना बना रहा था।

साइमन कमिशन के सामने तीनों गोलमेज सम्मेलनों में भागीदारी के दौरान डॉ. आंबेडकर ने दलित वर्ग के उत्थान संबंधी कार्यों का प्रतिनिधित्व किया। वायसराय की परिषद में श्रमिक सदस्य (1942-46), संविधान की मसौदा समिति के अध्यक्ष जैसे अपने प्रत्येक कार्य में उन्होंने लक्षित लोगों के यथोचित हितों का दृढ़तापूर्वक संरक्षण किया। भारत की संप्रभुता और अखंडता के लिए दूरदर्शिता पूर्ण दृष्टिकोण रखते हुए उन्होंने नेहरू सरकार के जम्मू और कश्मीर के लिए विशेष दर्जे और यूएनओ हस्तक्षेप आदि जैसे कुछ कदमों का विरोध किया।

डॉ. आंबेडकर ऐसे चमकते सितारे थे, जो गौरवशाली राष्ट्र की हमारी धरोहर का प्रतिनिधित्व करते थे। पर क्या हमने आंबेडकर की विचारधारा को पूर्ण रूप से स्वीकार किया है? इतिहास देखें तो पता चलता है कि कांग्रेस और अन्य सरकारों के लिए आंबेडकर का व्यक्तित्व स्वीकार करने की यात्रा कठिन रही। इसका प्रमाण यह है कि संसद के केंद्रीय कक्ष में उनका आदमकद चित्र 34 वर्षों के बाद लगा। विडंबना रही कि सेंट्रल हॉल में डॉ. आंबेडकर की बैठी हुई मुद्रा में लगी पहली तस्वीर 9 अगस्त 1989 को हटा दी गई थी, जिसे बाद में 12 अप्रैल 1990 को फिर लगाया गया।

आंबेडकर के अनुयायियों के सरोकारों के साथ मोदी सरकार बेहद संवेदनशील है। संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में राष्ट्रीय सांस्कृतिक संपदा संरक्षण अनुसंधान शाला, लखनऊ ने बाबा साहेब के साजो-सामान को सुरक्षित किया है। संविधान का मसौदा तैयार करने में इस्तेमाल हुए टाइपराइटर सहित कुल 1358 वस्तुएं संरक्षित की गई हैं, जिन्हें आने वाले समय में नवनिर्मित बाबा साहेब डॉ. बीआर आंबेडकर सामाजिक-आर्थिक और संस्कृति केंद्र, चिंचोली, नागपुर में प्रदर्शित किया जाएगा। 11.5 एकड़ में फैला यह केंद्र भारतीय-थाई वास्तुकला का संयोजन है, जिसमें एक संग्रहालय, स्मारक, ध्यान-योग कक्ष और पुस्तकालय भी है।

2014 के बाद मोदी सरकार ने योजना से लेकर कार्यान्वयन और शासन व्यवस्था को आंबेडकर की प्रेरणा के अनुरूप बनाने और ढालने का प्रयास किया है। यह सरकार के अथक प्रयासों का परिणाम है कि पंच तीर्थ- डॉ. आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र का समर्पित विकास हुआ है।

गरीबों की सहायता करने वाली जन-केंद्रित योजनाओं के कार्यान्वयन ऐसे कदम हैं जो सरकार को डॉ. आंबेडकर के विचारों के और करीब ले जाते हैं। सुधार, निष्पादन और परिवर्तन के मूल्यों से राष्ट्र-निर्माण की अनवरत यात्रा बेहतर भविष्य के लिए जीवन को कई तरह से प्रभावित कर रही है। कई पहलों के अलावा स्टार्टअप, पीएम आवास योजना, भीम, मुद्रा, और जेएएम (जैम) आदि इस बात का प्रमाण हैं कि सरकार संतुष्टि स्तर तक कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने में कसर नहीं छोड़ रही है। पिछली सरकारों के दरकिनार किए गए मुद्दों को मुख्यधारा में लाने के एजेंडे ने देश में विकास की संभावनाओं को गति दी है।

मानव केंद्रित विकसित भारत, गुलामी के सभी चिह्नों से मुक्ति, अपनी विरासत पर गर्व, एकता-एकजुटता और नागरिक कर्तव्यों के पालन जैसे प्रधानमंत्री के पंच प्रणों में भी डॉ. आंबेडकर का प्रतिबिंब है। डॉ. आंबेडकर का मानना था कि स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के आदर्श भारतीय संस्कृति का हिस्सा हैं, जो उन्हें महात्मा बुद्ध की शिक्षाओं से प्राप्त हुए हैं। डॉ. आंबेडकर की विचारधारा को मूल रूप में स्वीकार करना और कर्म में उनके मूल्यों का अनुसरण करना ही भारत के महान सपूत को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करना है।

डॉ. आंब

उम्र को बचाइए सूरज की तपिश से

चटकती-तमतमाती धूप ने आपके सर पर डेरा डाल दिया है। सूरत के तेवर तीखे हो चुके हैं और पूरी कोशिश है आपकी रंगत को स्याह करने की। तो आप भी कस लीजिए कमर और बना लीजिए मूड सूरज को ठेंगा दिखाने का। रोकिए झुर्रियों को असमय आने से और लीजिए लुत्फ गर्मियों का।

जी हाँ, गर्मियों में तेज धूप आपकी रंगत को फीका बना डालती है। यदि आप पूरी सुरक्षा व्यवस्था के साथ घर के बाहर और घर के अंदर भी न रहें तो आपकी त्वचा झुलसने के साथ-साथ कई अन्य परेशानियों का भी शिकार भी बन सकती हैं। इसलिए गर्मियों में कुछ बातों का ध्यान अवश्य रखें।

- सबसे पहली जरूरत है, शरीर की नमी को बनाए रखने की। बढ़ते तापमान से आपके शरीर की स्वेद ग्रंथियाँ अधिक सक्रिय हो जाती हैं अर्थात पसीना निकलने की प्रक्रिया में तेजी आ जाती है। इसलिए आवश्यक है कि आप पानी तथा लिक्विड इंटेक का पर्याप्त सेवन करती रहें। एक दिन में कम से कम 10-12 गिलास पानी पिएँ। इसके अलावा नीबू पानी, संतरे तथा अन्य पानी वाले फलों का सेवन भी समय-समय पर करती रहें। इससे शरीर को ऊर्जा भी मिलेगी, नमी का स्तर भी पर्याप्त बना रहेगा तथा समय से पहले चेहरे पर झुर्रियाँ भी नहीं पड़ेंगी। याद रखें कि कोल्ड ड्रिंक या इस तरह के पेय फायदेमंद नहीं होंगे।
- दिनभर में कम से कम दो-तीन बार चेहरे पर भी ठंडे पानी के छींटे मारें। इससे आपकी त्वचा में बाहर से भी नमी बरकरार रहेगी।
- गर्म पानी से नहाने की बजाय ठंडे पानी से नहाएँ। ठंडे से मतलब है रूम टेम्परेचर वाला पानी...। हाँ, आप चाहें तो थोड़े गुनगुने पानी का उपयोग कर सकती हैं।
- किसी माइल्ड सोप या सोप-फ्री फेस वॉश का उपयोग करें।
- हफ्ते में एक बार क्लीनअप का प्रयोग कर सकती हैं। अगर स्क्रब का प्रयोग कर रही हैं तो हर्बल या किसी माइल्ड स्क्रब का ही प्रयोग करें।
- पसीना, आर्द्रता, प्रदूषण तथा धूप- ये सब मिलकर आपकी त्वचा को नुकसान पहुँचाने में लग जाते हैं।
- अगर आपकी त्वचा शुष्क है तो दिन में मेकअप के पहले मॉइश्चराइजर लगाएँ अथवा मॉइश्चराइजर का प्रयोग रात में ही करें और बहुत कम।
- सूरज के तमतमाते तेवर आपके लिए खतरा लाते हैं लेकिन धूप का सेवन भी आपके लिए जरूरी है। खासतौर पर सुबह सूर्योदय के समय निकलने वाली हल्की किरणों का सेवन अवश्य करें। पैदल घूमने या खुली जगह पर योग करने से कई लाभ हो सकते हैं।
- गर्मियों में सूती वस्त्र सबसे ज्यादा आरामदायक साबित होते हैं। लंबी बाँहों तथा हल्के रंग वाले कपड़ों को भी आप अपनी लिस्ट में स्थान दे सकती हैं। इसके अलावा धूप के चश्मे, हैट, स्कॉर्फ, समरकोट आदि का उपयोग भी घर से बाहर निकलने के समय किया जा सकता है।
- चाहे घर के अंदर रहें या बाहर, सनस्क्रीन लोशन का उपयोग जरूर करें। यह तेज धूप से तो आपकी त्वचा की रक्षा करता ही है। सूर्य की हानिकारक किरणों से भी आपको बचाता है। इससे कैंसर सहित त्वचा के कई रोगों से आप बच सकते हैं। सनस्क्रीन लोशन को गंभीरता से लें। ऐसा लोशन खरीदें जिसमें एसपीएफ (सन प्रोटेक्शन फैक्टर) 15 या उससे अधिक हो। घर से निकलने के 20-25 मिनट पहले इसकी मोटी-सी लेयर शरीर पर लगा लें। खासकर उन भागों पर जो धूप के सीधे संपर्क में आते हों। यदि आप ज्यादा समय बाहर रहते हैं तो हर 3-4 घंटे में सनस्क्रीन लोशन लगाते रहें। स्वीमिंग के समय वाटर रजिस्टेंट सनस्क्रीन लोशन लगाएँ।
- चाहे हम लोग आज भी गोरी चमड़ी के प्रति पूर्वाग्रह से भरे हों, लेकिन यह बात भी उतनी ही सच है कि साँवली चमड़ी सूर्य की खतरनाक किरणों से बचने में ज्यादा सक्षम है। तो यहाँ वे लोग फायदे में हुए, जो डार्क कॉम्प्लेक्शन वाले हैं। गोरे लोगों पर सूरज की यूवी किरणों का प्रकोप होने के ज्यादा चांसेस होते हैं।

आप भी रख सकते हैं घर को अप टू डेट

देखभाल तो प्रत्येक घर मांगता है चाहे नया हो या पुराना। यदि हम नए घर की देखभाल उचित रूप से नहीं करेंगे तो थोड़े ही समय में घर पुराना लगने लगेगा और परेशानियों का कारण बन जाएगा। घर केवल ईटों और सीमैंट के जोड़ने से नहीं बनता, वह तो मकान होता है। घर वही होता है जहां घर के सभी सदस्य प्रेमपूर्वक साथ रहते हों और घर को घर समझकर उसकी उचित देखभाल करते हों।

यदि घर कुछ पुराना हो जाए तो उसको अधिक देखरेख की आवश्यकता पड़ती है। उसकी दशा बिगड़ने से पहले उसे संभाल लिया जाए तो अधिक समय तक आपका साथ देगा।

- बिजली की वायरिंग पर उचित ध्यान देना चाहिए। कहीं से भी नंगी तार दिखाई दे तो शीघ्र उसको बदलवा लें। बिजली के मामले में थोड़ी-सी लापरवाही बड़ा बखेड़ा कर सकती हैं। जहां से बिजली के कनैक्शन ढीलें हो, उन्हें साथ-साथ ठीक करवा लें।
- सीलन आदि होने पर उसे तुरंत सूखने पर ठीक करवाएं, नहीं तो सीलन धीरे-धीरे पूरे घर में फैल जाएगी और कई बीमारियों को जन्म देने में सीलन सहायक होती है।
- घर में टूट-फूट होती रहती है जिसकी मुरम्मत में देरी न बरत कर शीघ्र ठीक करवा लेना चाहिए। जहां कहीं से सीमैंट गिर रहा हो या भुर रहा हो, उसे निकलवा कर नया सीमैंट भरवा दें। सीमैंट भरवाने से पहले ध्यान रखें कि उस स्थान को अच्छी तरह से खुरचवा कर साफ करवा लेना चाहिए।
- पानी की लीकेज होने पर बिना इंतजार किए ठीक करवा लेना चाहिए।

- समय-समय पर लकड़ी के वार्डरोब, पुराने पलंग और लकड़ी के फर्नीचर को एंटी टरमाइट स्प्रे करवाते रहना चाहिए ताकि दीमक लगने का कोई खतरा न रहे। यदि कहीं दीमक की शुरूआत हो तो उस हिस्से की लकड़ी बदलवा कर नई लगवा लें जिससे दीमक आगे न बढ़ सके।
- दाग धब्बे हो जाने पर कुछ समय के अंतराल में टच अप करवाते रहें। अभी सफेदी करवाने में कुछ समय हो या आर्थिक स्थिति अभी इजाजत न दे रही हो तो ऐसे में उस स्थान को छिपाने हेतु वाल हैंगिंग, सीनरी आदि लगाकर उस दाग को छिपा सकती हैं।

घर के अंदर की सफाई के साथ बाहर की भी उतनी ही देखरेख करनी चाहिए। यदि घर बाहर से अधिक खराब हो रहा हो और अंदर से ठीक हो ऐसे में बाहरी लुक को बनाए रखने के लिए उस पर सनोसैम करवा लेना चाहिए या वाल पेंट आदि करवा लेना चाहिए।

अपने आशियाने की थोड़ी-सी अतिरिक्त देखभाल करके आप भी उसे संवार सकते हैं।

स्टफ्ड परवल

सामग्री : 250 ग्राम परवल, 150 ग्राम शक्कर (चाशनी के लिए), 100 ग्राम मावा, दूध का मसाला, चांदी का वर्क, 2 टीस्पून पिसी हुई शक्कर।

विधि : परवल को छीलकर भाप से पका लें। बीच में से चीरा लगाकर बीज निकाल लें। मावा को 2 मिनट तक कड़ाही में भूनें। ठंडा होने पर इसमें दूध का मसाला व शक्कर मिला लें। एक पैन में शक्कर व पानी डालकर चाशनी तैयार करें। इसमें एक-एक करके सभी परवल डाल दें। जब परवल ठंडे हो जाएं तब इसमें मावा का मसाला भर दें। चांदी का वर्क लगाएं और ड्राइफ्रूट को इस पर सजाकर सर्व करें।

गरम कॉफी का प्याला

सुबह उठते ही हाथों में अगर गरम काफी का प्याला हो तो दिन का मूड बन जाता है, लेकिन ज्यादा मात्रा में इसका सेवन खतरे की घंटी साबित हो सकता है। कॉफी की चुस्की लेने वालों को भले ही यह खबर ठीक न लगे पर एक लेटेस्ट स्टडी में ये दावा किया गया है कि कैफीन वाली गरम कॉफी का एक प्याला भी आपके दिल को नुकसान पहुंचा सकता है। इस खबर को सुनते ही लोगों के जेहन में कई सवाल उठते हैं कि कई लोग तो कहते हैं कि कैफीन नींद भगाकर स्फूर्ति लाता है। रिसर्च में पाया गया है कि एक प्याले में भी बड़ी मात्रा में कैफीन होता है, जो सेहत पर गलत असर डालता है। यह दिल में खून के बहाव में रूकावट पैदा करने के चांस पांच गुना बढ़ा देता है, जिससे कई बड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

फायदेमंद होती है कैफीनरहित कॉफी : कैफीनरहित कॉफी फायदेमंद होती है, क्योंकि इसमें दिल की सेहत के लिए जरूरी एंटी ऑक्सीडेंट होते हैं और यह ब्लड फ्लो को बढ़ाती है। सामान्य इंस्टेंट कॉफी में 75 मिलीग्राम कैफीन के मुकाबले गरमागरम एक्सप्रेसो कॉफी के एक प्याले में 130 मिलीग्राम कैफीन होता है। फिल्टर कॉफी के एक प्याले में यह मात्रा 120 मिलीग्राम तक होती है।

न हो एडिक्ट : मेरा मानना है कि जो दिन में दो कप से ज्यादा कॉफी पीता है और कॉफी का एडिक्ट होता है, उसे कॉफी से परेशानी हो सकती है। कई लोग बिना खाना खाए सिर्फ कॉफी पीते हैं, उन्हें दिल से संबंधित परेशानियां हो सकती हैं। अगर आप इनसे बचना चाहते हैं तो कभी-कभी कॉफी का इस्तेमाल करें। कॉफी ब्रेन को स्टूम्यूलेट करती है। कई बार कॉफी डाइजेस्टिंग सिस्टम को अच्छा कर देती है।

हेल्थ प्लस

चतुर मम्मी की संतान बुद्धिमान

साउथैम्पटन यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक शोध के बाद इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि चतुर मां की संतान भी बुद्धिमान ही होती है। इससे पहले की शोध यह साबित कर चुकि हैं कि जिन नवजात को फॉर्मूला मिल्क दिया जाता है उनकी इंटेलिजेंस और आईक्यू कम होती है। इसकी वजह है फॉर्मूला मिल्क में डीएचए यानि ओमेगा 3 फैटी एसिड का कम मात्रा में पाया जाना।

लेकिन लेटेस्ट स्टडी के बारे में बताते हुए डॉ. कैथरीन गाले कहते हैं इस शोध से डीएचए से जुड़ी कुछ भ्रांतियां दूर हुई हैं। हम सभी जानते हैं कि मां का दूध बच्चे के लिए लाभदायक होता है। लेकिन इसमें पाया जाने वाला डीएचए जो फॉर्मूला मिल्क में भी होता है उसका बुद्धिमत्ता से कोई लेना-देना नहीं है। यानि स्तनपान या फिर फॉर्मूला मिल्क से कोई औसत बच्चा आइंस्टिन नहीं बन जाएगा।

डॉ. गाले कहते हैं जब हमने शोध में सोशल क्लास और इनहेरिटेड आईक्यू के प्रभाव को शामिल किया गया तब पाया बच्चे की बुद्धिमत्ता कई ओर बातों पर निर्भर करती है। इनमें घर से जुड़े कारक जैसे माता की बौद्धिक क्षमता, बच्चे द्वारा लिए जाने वाले मेंटल स्टिमुलेशन कहीं अधिक मायने रखते हैं।

परफैक्ट डाइट फिट लाइफ

गर्मी, यानी झुलसाने वाली धूप, प्यास, पसीना और थका हुआ शरीर। इस मौसम में शरीर की बीमारियों से लड़ने की क्षमता कम हो जाती है, इसलिए खानपान पर ध्यान देना ज़रूरी हो जाता है। वैसे भी स्वाद के लिए सेहत से समझौता करने की जरूरत ही क्या है...

मर्च के महीने में ही सूरज आग उगल रहा है। गर्मी बहुत तेजी से बढ़ रही है। गर्मी के मौसम में शरीर की ताकत कम पड़ने लगती है और सूरज की तेज किरणों के कारण हम अधिक थकान महसूस करने लगते हैं। गर्मी के कारण शरीर का पानी वाला भाग, जिसे आयुर्वेद में कफ कहते हैं, सूख जाता है और वातावरण व शरीर में वात की मात्रा बढ़ने लगती है। इससे हमारी स्किन ड्राई हो जाती है, एग्ज़ीमा, सन बर्न जैसी समस्याएं आने लगती हैं।

मौसम के बदलते ही शरीर की जरूरतें भी बदल जाती हैं और अगर आप इन जरूरतों को पूरा नहीं करते हैं, तो मौसम की मार आपको झेलनी पड़ सकती है। तो गर्मी के मौसम में कैसी हो आपकी डाइट और किन बातों का रखें ध्यान, आइए जानें:

डाइट में करें शामिल

गर्मियों में भारी खाना सेहत को नुक़सान पहुंचा सकता है। गरिष्ठ भोजन और कम पानी के सेवन से डिहाइड्रेशन, अपच और वजन बढ़ने जैसी समस्याएं हो जाती हैं। इनसे बचने और शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को मज़बूत बनाने के लिए जरूरी है बैलेंस्ड डाइट। फलों व सब्जियों का खूब सेवन करें। इनमें पानी की मात्रा ज्यादा होती है, जिसके कारण इनको पचाना आसान होता है। अतिरिक्त पोषण के साथ-साथ ये कम कैलोरी वाले भी होते हैं। एंटी ऑक्सीडेंट्स होने के कारण फलों व सब्जियों के सेवन से सभी प्रकार के विटामिन, मिनरल व पानी की आपूर्ति हो जाती है। हरी सब्जियां, जैसे गोभी, पालक, नींबू, धनिया, घिया व लहसुन का सेवन लाभकारी है। तरबूज़, खीरा, संतरा, मौसमी, अंगूर, खरबूजा, जामुन, फालसा, शहतूत इत्यादि कुछ ऐसे फल हैं, जो शरीर पर गर्मी के प्रभाव को कम कर देते हैं। वैसे भी गर्मियों में भूख कम हो जाती है। इसलिए हमेशा हल्का व सुपाच्य भोजन करें।

ताकि न हो डिहाइड्रेशन

प्यास लगने पर हमेशा पानी ही पिएं। पानी शरीर के तापमान को बैलेंस करता है। जितना पसीना शरीर से बाहर निकलेगा, हमारा शरीर उतनी ठंडक महसूस करेगा। लेकिन गर्मियों में पानी कम पीने और पसीना ज्यादा आने के कारण शरीर में सोडियम की कमी होने लगती है। यदि शरीर में होने वाली सोडियम की कमी को रोका न जाए, तो व्यक्ति डिप्रैशन का शिकार हो जाता है। फ्रूट शेक, लस्सी, लैमन सोडा, जलजीरा, नारियल पानी, बेल, नींबू पानी, आम पना, जीरा व हींग युक्त लस्सी, ठंडई और लीची,जामुन, अंगूर, तरबूज, संतरा और अनानास जैसे मौसमी फलों का जूस बढ़िया समर कूलर्स हैं। भूने हुए जौ के पानी को चीनी और नींबू के साथ या सादा ही पिएं। सत्तू के पेय भी गर्मी के मौसम में काफी उपयोगी रहते हैं। नारियल पानी में विटामिन बी व एस्कॉर्बिकएसिड होता है। इसके सेवन से शरीर में कैल्शियम, सोडियम, पोटाशियम, आयरन, सल्फर व कॉपर की आपूर्ति होती है।

इन चीजों से करें तौबा

गर्मी के मौसम में फूड इंफैक्शन, फूड प्वॉइजनिंग बहुत जल्दी हो जाती है, इसलिए इन दिनों बाहर का कुछ मत खाएं। फास्ट और फ्राइड-फूड के अधिक सेवन से भोजन में नमक की मात्रा काफी बढ़ जाती है। शरीर में नमक की मात्रा को संतुलित रखने के लिए अधिकाधिक पानी पीने की जरूरत होती है, पर हम चाय, कॉफी, शराब और सॉफ्ट ड्रिंक्स आदि पीना ज़्यादा पसंद करते हैं। इससे प्यास तो खत्म हो जाती है, लेकिन शरीर में जरूरी पानी की मात्रा की पूर्ति नहीं हो पाती है। याद रखें

- जितना ज्यादा हो सके तरल पदार्थ लें। दिन में कम से कम आठ-दस गिलास पानी जरूर पिएं।
- खाली पेट घर से बाहर न निकलें। बाहर जाते वक्त पानी की बोतल साथ रखें और बीच-बीच में पानी पीते रहें।
- जहां तक हो सके, लो-कैलोरी डाइट लें और भूख से कम खाना खाएं।
- फूड प्वॉइजनिंग से बचने के लिए सड़क किनारे खुली रखीं चीजें न खाएं। घर में कटे हुए फ्रूट्स व वैजिटेबल्स का सलाद ही खाएं। यदि फल व सलाद को काटे दो घंटे से ज्यादा हो जाए, तो न खाएं।
- हल्का भोजन खाएं, क्योंकि इस मौसम में खाना पचने में दिक्कत होती है।
- बासी भोजन न खाएं। पहले से बनाया खाना फ्रिज में ही रखें और उसे उसी दिन इस्तेमाल करें।
- दही व कच्चा प्याज खाना फायदेमंद होता है। दही पेट को ठंडा रखता है।
- रैडिमेड फ्रूट जूस में ग्लूकोज मिलाया जाता है, इसलिए घर के बने मौसमी फलों के ताजा जूस को ही प्राथमिकता दें। बेल या गुड़ का शरबत फायदेमंद होता है।
- धूप से आकर सादा पानी पीने के बजाय नींबू-पानी, नारियल पानी, लस्सी, छाछ, आम पना, सत्तू, ठंडाई, खस का शर्बत या जलजीरा पीएं।

यूं करें बालों की देखभाल

सुंदर दिखने में बालों का खास योगदान होता है। आइए जानते हैं बालों की देखभाल के कुछ घरेलू नुस्खे- आवंला, रीठा और शिकाकाई का पेस्ट बना कर बालों में लगाएं और फिर धो लें। एलोवेरा जेल बालों पर लगाकर 15 मिनट रखें। फिर उन्हें धो लें। बालों के साथ बहुत ज्यादा छेड़छाड़ न करें और उन्हें प्राकृतिक रूप से बढ़ने दें। बालों में जेल कम लगाएं, हेयर स्प्रे का इस्तेमाल न करें। बालों को पोषण तब मिलता है, जब आप संतुलित आहार लेती हैं। अपने आहार में दूध, बादाम, मछलियां, हरी सब्जियां और ग्रीन वेजटेबल्स पर्याप्त मात्रा में शामिल करें। मेयोनीज, नारियल का दूध और अमीनो एसिड्स बराबर-बराबर मात्रा में मिलाकर बालों की जड़ों पर 15 मिनट लगाएं। फिर धो दें। यह बालों के लिए एक बेहतरीन टॉनिक का काम करेगा।

बेजान बालों की देखभाल के लिए शाइन प्रोडक्ट्स का प्रयोग करें। जैसे हेयर वैल्यूमाइजिंग जेल या क्रीम का इस्तेमाल करें। कंडीशनर, लीव ऑन या सीरम का इस्तेमाल करें। अगर आपके बाल पहले से ही रूखे हैं तो धूप में निकलने से पहले सिर की त्वचा पर नीबू के रस का इस्तेमाल न करें। यह भी ध्यान रखें कि आप जो भी हेयर केयर प्रोडक्ट का इस्तेमाल कर रही हैं वह एल्कोहल रहित हो।

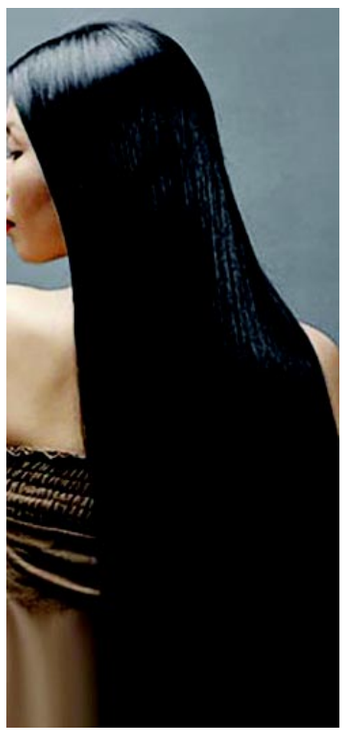

डार्क स्किन के चलते काजोल को सुनने पड़े थे तानेः बोलीं- लोग मोटी और काली बुलाते थे, मुझे यकीन नहीं था कि मैं सुंदर हूं

काजोल ने हाल ही में बताया कि करियर की शुरूआत में उन्हें अपने फिजिकल अपीयरेंस के कारण कई मुश्किलों से जूझना पड़ा था। लोग उन्हें काली और मोटी बुलाया करते थे। ऐसे जजमेंट का असर उनपर बहुत गहरा पड़ा। काजोल को यह स्वीकार करने में बहुत समय लग गया कि वो खूबसूरत हैं। इंटरव्यू में काजोल ने कहा- 'मेरी स्किन को लेकर मुझे वाकई बहुत स्ट्रगल करना पड़ा है। मुझे इस बात पर यकीन करने में बहुत समय लगा कि मैं खूबसूरत हूं। मुझे लगता था कि मैं कूल हूं, स्मार्ट हूं, अट्रैक्टिव हूं और इंटेलिजेंट हूं। लेकिन मुझे कभी यकीन नहीं होता था कि मैं सुंदर हूं। खुद पर यकीन करने में मुझे बहुत समय लगा।

काजोल ने आगे का- 'मैं लगभग 32-33 साल की थी, जब मैंने आईने में देखना शुरू किया और खुद को एहसास दिलाया कि मैं अच्छी दिखती हूं। मगर वहां तक पहुंचने में मुझे बहुत समय लगा। मैंने कभी हिम्मत नहीं हारी और हमेशा रियल बनी रही और कभी भी फेक बनने या दिखावा करने की कोशिश नहीं की, आखिर में दुनिया ने मुझे वैसे ही एक्सेप्ट किया जैसी मैं थी।'

लोगों का कहना है कि काजोल ने स्किन व्हाइटनिंग सर्जरी कराई है, जिस वजह से उनका रंग गोरा हुआ है। हालांकि, पुराने इंटरव्यू में काजोल ने किसी भी तरह की सर्जरी कराने की खबरों से इनकार किया था और बताया था कि उन्होंने अब धूप से बचना शुरू कर दिया है। काजोल ने कहा था कि एक्टिंग की वजह से 10 सालों तक उन्होंने धूप में काम किया था, जिस कारण, जिस कारण उन्हें टैनिंग हो गई थी। वहीं अब वो धूप में ज्यादा नहीं निकलती हैं, तो उकनी स्किन फेयर हो गई है।

डायरेक्टर फरहाद सामजी बोले- कॉमेडी फिल्में 100 करोड़ कमा लें, लेकिन इज्जत नहीं मिलती

सलमान खान की अपकमिंग फिल्म किसी का भाई किसी की जान के डायरेक्टर फरहाद सामजी ने फिल्म की रिलीज से पहले मीडिया से बात की। बातचीत के दौरान फरहाद ने कहा कि हिंदी ऑडियंस को मसाला कॉमेडी-एक्शन फिल्मों की कद्र ही नहीं है। ऐसी फिल्में बॉक्स-ऑफिस पर 200 करोड़ की कमाई भी कर लें तब भी डायरेक्टर्स को वो इज्जत नहीं मिलती, जो वो डीजर्व करते हैं। फरहाद ने मीडिया से बात करते हुए कहा- बॉलीवुड फिल्मों का एक ही फंडा है, सब्जेक्ट जितना हल्का हो उसे फिल्माना उतना ही आसान होता है। लेकिन, हिंदी ऑडियंस मूड हल्का करने वाली एक्शन-कॉमेडी फिल्मों की अहमियत नहीं समझती। इस स्पेस का कोई भी डायरेक्टर चाहे बॉक्स ऑफिस पर लगातार 200 करोड़ रुपए तक ही की कमाई कर ले, हिट फिल्में दे लेकिन आपको उतनी इज्जत तो नहीं मिलेगी जितनी मिलनी चाहिए। अब मैंने इस चीज को सच्चाई की तरह एक्सेप्ट कर लिया है और इसके साथ जीना सीख लिया है।

कॉमेडी राइटर के तौर पर मुझे टाइपकास्ट किया गया- फरहाद

फरहाद ने आगे बताया- मुझे कॉमेडी मसाला फिल्में बनाना पसंद हैं। कुछ सालों पहले मुझे इस बात का एहसास हुआ कि बॉक्स-ऑफिस को मैं जैसी फिल्में ऑफर करता हूं, उसके आधार पर लोगों ने मुझे एक्शन-कॉमेडी फिल्में बनाने को लेकर टाइपकास्ट कर दिया है।

2011 में अवॉर्ड शो में मुझे 'सिंघम' के लिए बेस्ट डायलॉग राइटर के अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट किया गया था। लेकिन, मुझे ये अवॉर्ड नहीं मिला। तब मैंने दो लोगों को ये बोलते हुए सुना कि अरे वो तो कॉमेडी फिल्में करता है, उसे ये अवॉर्ड वैसे भी नहीं मिलता। सिंघम तो एक एक्शन-ड्रामा फिल्म थी लेकिन फिर भी मुझे कॉमेडी राइटर के तौर पर टाइपकास्ट कर लिया गया है।

कॉमेडी फिल्में बनाने से लोग कतरा रहे हैं- फरहाद

फरहाद ने बताया- कुछ समय से ऑडियंस बड़े परदे पर एक्शन फिल्में देखना पसंद कर रही है। फिलहाल, इंडस्ट्री में लोग कॉमेडी फिल्में बनाने से कतरा रहे हैं। मैंने भी कई बार ये सोचा है कि अब हम कम कॉमेडी फिल्में क्यों बना रहे हैं ? लेकिन, हां राइटर के तौर पर हम कभी ये तय नहीं कर सकते कि हमने कैसी फिल्में लिखनी चाहिए, ये तो ऑडियंस ही तय करती है। फरहाद ने कहा- हम कहानी के लिहाज से सोचते हैं। हां, ये ही सच है कि कॉमेडी राइटर को उतनी इज्जत नहीं मिलती। इसलिए भी लोग थ्रिलर या ड्रामा बनाना पसंद करते हैं। लेकिन, फिर भी मेरे जैसे फिल्ममेकर्स जो बॉक्स-ऑफिस को जानते हैं उनकी टॉप प्रायोरिटी तो एंटरटेनमेंट ही है।

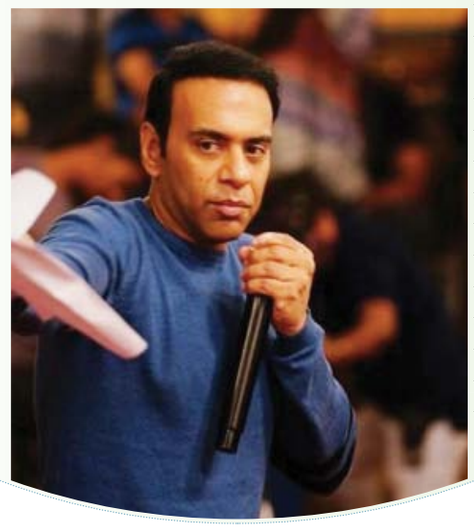

रिया चक्रवर्ती ने रोडीज 19 की शूटिंग शुरू की: 3 साल बाद सेट पर वापस लौटकर इमोशनल हुई, बोलीं- खुशी के आंसू बह रहे

एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के निधन के 3 साल बाद उनकी एक्स गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती ने 'एमटीवी रोडीज 19' के साथ पर्दे दोबारा वापसी कर रही हैं। उन्होंने शो की शूटिंग शुरू कर दी है। गुरुवार को एक्ट्रेस ने सेट का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो वैनिटी वैन में मेकअप करती नजर आ रही हैं। रियलिटी शो में रिया बतौर गैंग लीडर नजर आएंगी, इस बात की जानकारी रिया ने खुद अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी थी।

रिया ने जाहिर की सेट पर वापस आने की खुशी

वीडियो में उनसे सवाल किया जाता है- 'रिया आप सेट पर आकर कैसा महसूस कर रही हैं?'

इस पर वो उन्होंने कहा- 'मैंने तीन साल से कोई शूट नहीं किया है। ये वैनिटी वैन मुझे बिल्कुल नया सा महसूस हो रहा है। हेयर स्टाइल और मेकअप किया जा रहा है। अजीब बात है 3 साल पहले जब मैंने शूटिंग की थी, तो भी यही वैनिटी वैन और यही सेट था। तीन साल बाद मैं फिर यहां वापस आ गई हूं। इस दुनिया के अजीब तरीके हैं। बेहद खुश और उत्साहित हूं, मेरा स्वागत है।'

समय कठिन रहा, लेकिन आपका प्यार सच्चा है- रिया

वीडियो शेयर करते हुए रिया ने कैप्शन में लिखा- 'यह एक लंबे समय का इंतजार था। सेट पर वापस आना, काम पर वापस आने में बेहद खुशी हुई है, जिसे मैं बयां नहीं कर सकती। दिल से सभी को शुक्रिया, शो में जाने के लिए बेहद एक्साइटेड हूं। आप सभी के प्यार और सपोर्ट के लिए धन्यवाद।

समय कठिन रहा, लेकिन आपका प्यार सच्चा है। इस मौके पर मेरी आंखों से खुशी के आंसू बह रहे हैं।'

फैंस बोले-अपने हेटर्स को इग्नोर कीजिए

रिया के इस पोस्ट पर फैंस हौसला बढ़ाते हुए उनका वेलकम कर रहे हैं। एक फैन ने कमेंट सेक्शन में लिखा- हमें आप पर बहुत गर्व है। आप उन सभी के लिए प्रेरणा हैं जो अपने राक्षसों से लड़ रहे हैं। आप यहां और ऊंची उड़ान भरें। दूसरे फैन ने लिखा- नई शुरूआत के लिए आपको ऑल द बेस्ट। तीसरे फैन ने लिखा- आपको बहुत सारी ताकत मिले, अपने हेटर्स को इग्नोर कीजिएगा।

रिया ने शो का प्रोमो शेयर किया था

रिया ने शो का प्रोमो वीडियो शेयर किया था, जिसमें वो कहती हैं- 'आपको क्या लगा मैं वापस नहीं आउंगी, डर जाउंगी। अब डरने की बारी किसी और की है।' कैप्शन में उन्होंने लिखा था- 'संभल के रहना है या डर के? जो भी हो, इगनोर नहीं कर पाएगा! एमटीवी रोडीज- कर्म या कांड के ऑडिशन के लिए तैयार हो जाएं।'

सुष्मिता के बाद अब डेविड धवन की हुई एंजियोप्लास्टी सर्जरी: एच एन रिलाएंस अस्पताल में इलाज हुआ, साथ मिलकर परिवार ख्याल रख रहा

वरुण धवन के पिता और फिल्ममेकर डेविड धवन हाल ही में एंजियोप्लास्टी सर्जरी से गुजरे हैं। कहा जा रहा है कि उन्हें मुंबई के एक अस्पताल में एडमिट किया गया था, जहां सर्जरी को कुछ हफ्तों पहले अंजाम दिया गया।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो डेविड के परिवार से जुड़े एक सूत्र ने कहा- 'मिसेज लाली धवन, वरुण और रोहित डेविड की हार्ट प्रॉब्लम को लेकर काफी चिंता में थे, लेकिन अब सब कुछ ठीक है।'

डेविड धवन की सर्जरी कुछ हफ्ते हुई

एक रिपोर्ट के मुताबिक, डेविड धवन की सर्जरी मुंबई के एचएन रिलायंस अस्पताल में हुई, जहां उनके हार्ट में स्टेंट लगाया गया है। सर्जरी के बाद डेविड इन दिनों डॉक्टर द्वारा बताए गए नियमों को फॉलो कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक धवन फैमिली की तरफ से इस मामले में कुछ भी नहीं कहा गया है।

कब और क्यों कराई जाती है एंजियोप्लास्टी?

सुष्मिता सेन की एंजियोप्लास्टी सर्जरी के बाद लोग इसके बारे में जानना चाहते हैं। दरअसल, एंजियोप्लास्टी एक सर्जिकल प्रोसेस है। इसमें हार्ट की मसल्स तक ब्लड सप्लाई करने वाले ब्लड वेसल को खोला जाता है। इन ब्लड वेसल्स को कोरोनरी आर्टरी कहते हैं। दिल का दौरा या स्ट्रोक के बाद इलाज के लिए डॉक्टर एंजियोप्लास्टी की मदद लेते हैं।

हार्ट अटैक आने पर कोरोनरी आर्टरी ब्लॉक हो जाती है, जिससे हार्ट की मांसपेशियों तक खून की सप्लाई घट जाती है और सही मात्रा में ऑक्सीजन नहीं मिल पाता। इससे सीने में दर्द या हार्ट अटैक आता है। ब्लॉकेज पता करने के लिए एक्सरे किया जाता है, जिसके बाद सर्जरी के जरिए स्टेंट डाला जाता है, जिससे दोबारा ब्लॉकेज न हो।

सुष्मिता और शिल्पा शेट्टी की मां सुनंदा भी सर्जरी से गुजर चुकी हैं

बीते दिनों में यह बी टाउन सेलेब्स के बीच एंजियोप्लास्टी का तीसरा मामला है। इससे पहले सुष्मिता सेन और मां सुनंदा शेट्टी भी एंजियोप्लास्टी से गुजर चुकी हैं। दोनों का इलाज मुंबई के नानावती अस्पताल में हुआ था।

जून 2022 में एडमिट हुए थे डेविड

पिछले साल जून में डेविड धवन 7 दिनों के लिए हॉस्पिटल में एडमिट रहे थे। डायबिटीज के चलते डेविड कि अचानक उनकी तबियत खराब हो गई, उस वक्त वरुण अपनी अपकमिंग फिल्म जुग-जुग जियो का प्रमोशन कर रहे थे। पिता के अस्पताल में एडमिट होने की खबर मिलते ही वरुण बीच में प्रमोशन छोड़कर उनके पास चले आए।

लॉफिंग ज़ोन

शीला ''मेरे पास 15 साल पुराना नींबू का अचार बहुत है और बहुत स्वाविदष्ट हैं।''

शान्ति, ''थोड़ा अचार चखाना''

शीला, ''अरे वाह! अगर मैं इसी तरह अचार चखाती रहती तो आज मरे पास 15 साल पुरान अचार कैसे होता?''

□ □ □

मनु ''पापा, क्या अपके पिता जी भी आपको पीटा करते थे?''

पापा, ''हां बेटे, बहुत ज्यादा।''

मनु ''तो क्या दादू जी के पिता भी उन्हें पीटा करते थे?''

मनु, ''और उनके पिता भी उन्हें पीटा करते थे?'' पापा, ''बिल्कुल।''

मनु, ''तो पापा, क्या क्या यह गुंडागर्दी बंद नहीं हो सकती?''

□ □ □

निशू देर से घर आया। पापा ने पूछा तो उसने कहा, ''पापा, टीचर ने पूछा था, पठानकोट कहां है, मैं न बता सका तो मुझे क्लास में रूकने के लिए कहा।''

पापा,''उन्होंने बहुत अच्छा किया। पिछली सर्दियों में तुमने गर्म कोट गंवा दिया था और इस बार फठान कोट गायब कर दिया, तुम अपनी चीजें संभाल कर क्यों नहीं रखते।''

□ □ □

स...स...सन्नाटेदार

सूडोकु नवताल- 5174

★★★★☆ कठिन

9					4	6		
						2	8	
			5	1				
			1				9	5
6								3
2	8				7			
				8	2			
	5	9						
		7	3					8

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 5173 का हल

3	9	8	7	6	2	4	5	1
4	5	7	9	1	8	2	3	6
1	2	6	4	3	5	7	8	9
6	4	5	1	7	3	9	2	8
8	7	1	2	5	9	6	4	3
9	3	2	8	4	6	1	7	5
5	1	4	6	8	7	3	9	2
2	6	3	5	9	4	8	1	7
7	8	9	3	2	1	5	6	4

काकुरो पहेली - 5174

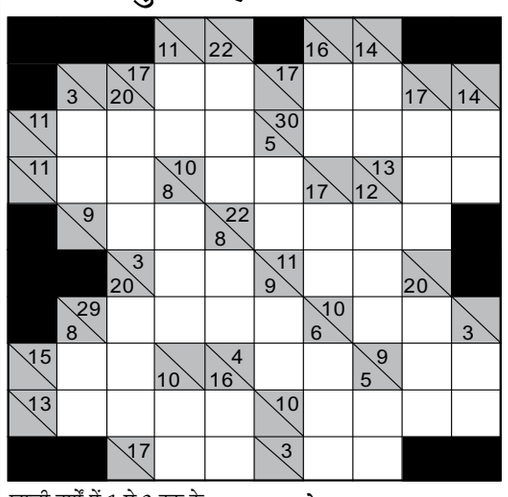

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

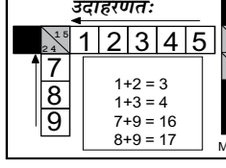

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 5173 का हल

MANGAL SENCHA,P.B.NO.3909, BANGALORE-39

शब्दजाल - 5174

अ	गो	र	कु	छ	तो	है	म	ला	नी	क्या
न	ल	क	ज	इं	डो	ने	ह	क	जी	कु
बं	मा	आ	टा	म	न	इ	व	न	ना	ल
टी	ल	ल	मा	ज	ल	स	रा	प	सि	है
औ	मु	झे	कु	छ	क	ह	ना	है	र्फ	ह
गा	जे	कि	र	य	द	का	म	ल	मे	म
य	मा	दे	श	व	ह	स	त	पी	रे	दी
ब	दे	क	र्त	न	प	दि	खा	की	लि	श
ली	दि	ल	क	ले	दा	र	ल	क	ए	दे
क्षि	ज	ति	त	हि	द	ह	मा	ह	ल	र
ते	रा	जा	क्या	दि	ल	ने	क	हा	र	म

शब्दजाल में तुषार कपूर की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

गोलमाल, क्या कुल है हम, कुछ तो है, जीना सिर्फ मेरे लिए, खाकी, मुझे कुछ कहना है, यह दिल, शर्त, गायब, क्या दिल ने कहा.

शब्दजाल - 5173 का हल

मंगल सेनचा,बेंगलोर.

फिल्म वर्ग पहेली- 5174

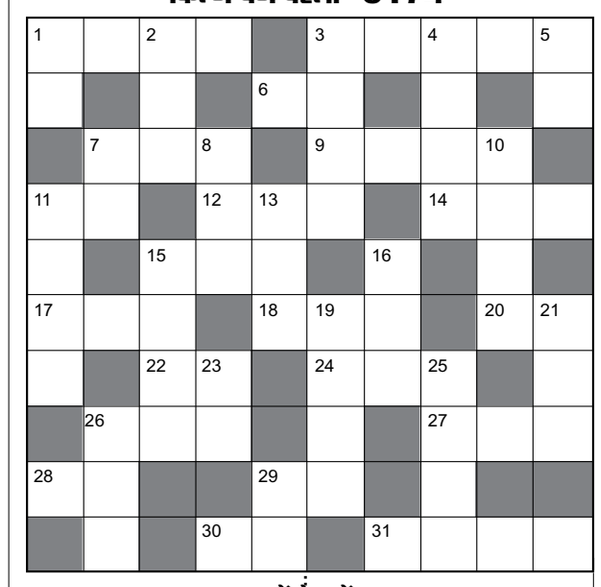

ऊपर से नीचे:-

1. 'दिल ना दिया' गीत वाली फिल्म-2
2. विनोद खन्ना, बिंदू की फिल्म-3
3. 'दो दिल मिल रहे' गीत वाली फिल्म-4
4. विनोद मेहरा, रीना राय की फिल्म-4
5. 'आप से प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-2
7. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-2
8. देव आनंद, आशा पारेख की 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-3
10. 'बड़ी दूर से आये हैं प्यार' गीत वाली अनिल घवन, योगिता की फिल्म-4
11. देव आनंद, मधुबाला की 'उन के खयाल आए तो' गीत वाली फिल्म-2,2
13. 'जब लिया हाथ में हाथ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, गीताबाली की फिल्म-3
15. जयराज, निरूपा की 'ना किसी की आँख का नूर हूँ' गीत वाली फिल्म-2,2
16. फिल्म 'शिवा' में नागार्जुन के साथ नायिका कौन थी-3
19. 'लेके पहला पहला प्यार गीत वाली फिल्म-1,2,1
21. मिथुन, आदित्य, डिम्पल, मंदाकिनी की फिल्म-3
23. अनिल घवन, रश्मि वर्मा, सोनिका गिल की एक सस्पेंस फिल्म-2
25. 'पियू बोले जिया' गीत वाली फिल्म-4
26. बिस्वजीत, माला की 'अजी हो ताश के बावन पत्ते' गीत वाली फिल्म-3
29. 'चालबाज' में श्रीदेवी के एक किरदार का नाम अंजू था दूसरे किरदार का नाम?-2

बायें से दायें:-

1. 'तू मिले दिल खिले और' गीत वाली नागार्जुन, रमैया, मनीषा की फिल्म-4
3. राजकपूर, माला की 'आँसू भरी हैं ये जीवन की राहें' गीत वाली फिल्म-5
6. 'केसरिया बालम' गीत वाली श्रेयस तलपदे, आयशा टाकिया की फिल्म-2
7. शाहरूख, माधुरी की 'अठरा बरस की कँवारी कली थी' गीत वाली फिल्म-3
9. 'वो चाँद जैसी' गीत वाली शाहरूख खान, माधुरी, ऐश्वर्या की फिल्म-4
11. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-2
12. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-3
14. संजय दत्त, फरहा की 'मेरा प्यार तेरे जीवन के संग' गीत वाली फिल्म-3
15. विनोद मेहरा, बिंदिया की फिल्म-3
17. हिमालय, भाग्यश्री की 'तेरा ही प्यार मेरे इस दिल में' गीत वाली फिल्म-3
18. फिल्म 'कभी कभी' में ऋषि की नायिका कौन थी-3
20. अनिल, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की 'इश्क बिना क्या' गीतवाली फिल्म-2
22. दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-2
24. अमिताभ, रेखा की 'कोई गाता मैं सो जात' गीत वाली फिल्म-3
26. 'बागां मां जब मोर बोले' गीत वाली अक्षयकुमार, करीना की फिल्म-3
27. विनोद खन्ना, हेमा की अरूणा राजे द्वारा निर्मित एवं निर्देशित फिल्म-3
28. 'क्यूं मेरा दिल तुझको' गीत वाली करण नाथ, मनीषा की फिल्म-2
29. नसीर, ओमपुरी, स्मिता की 'शमशीर बजे ना' गीत वाली फिल्म-2
30. 'बंधन' में सलमान का नाम?-2
31. फिल्म 'काफी हाउस' में शम्मी कपूर की नायिका?-2,2

फिल्म वर्ग पहेली- 5173 का हल

मंगल सैंणचा, बेंगलोर

अष्टयोग- 5174

7			4		3	
4	36	2	34		26	1
		6		7		4
6	34		33		30	5
3		7		2		
	27		35	4	36	7
1		3			7	4

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5173 का हल

1	2	3	7	5	6	4
3	24	6	37	2	32	1
6	1	2	5	7	4	3
5	33	1	29	4	30	6
7	6	5	4	1	3	2
2	38	4	31	3	29	7
4	3	7	1	6	2	5

शब्द पहेली - 5174

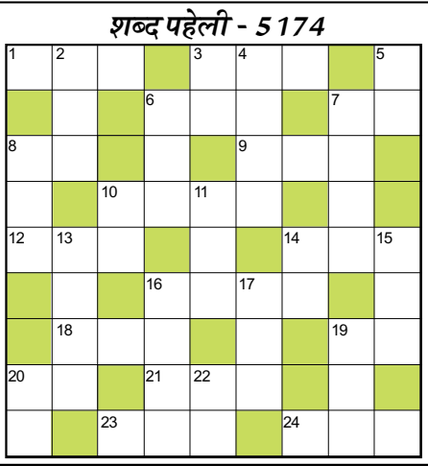

बाएँ से दाएँ

1. अफगानिस्तान का एक शहर-3
3. चमत्कार, जादु, करिश्मा-3
6. ताप, गरमी-3
7. अंत, नष्ट, प्रलय, खात्मा-2
8. मदार-2
9. शक्ति, बोलबाला, दबदबा-3
10. असफलता, निराशा, नाकामयाबी, हार-4
12. परिक्रमा, गोला, चक्र-3
14. ज्ञात कराना, बतलाना-3
16. अपरिचित -4
18. प्रवेश (ऊर्दू-3)
19. असफलता, पराजय-2
20. एक छोटा फल-2
21. नाश-3
23. समुद्री नहर, नहर (अंग्रेजी में-3)
24. अर्जक, कमाने वाला-3

ऊपर से नीचे

2. धारण कर्ता, धर्ता, दार-3
3. चाय का प्याला-2
4. मनुष्यता इन्सानियत-4
5. हाथ, कर, हस्त-2
6. ओर, पक्ष-3
7. प्रदुषण, गंदगी, दुषण-4
8. इल्जाम-3
10. काम करने का ढंग, आचार- व्यवहार-2
11. आमिर खान की एक फिल्म, भू-कर-3
13. नजदीकी, करीबी संबधी-4
14. मनुष्य, लोग-3
15. बाघ, सिंह-3
16. अनुलाप करना, शास्त्रीय ढंग से गाना-4
17. एक विकशित देश-3
19. पाचन शक्ति-3
20. दुश्मन-2
22. पिंड, सतह, पैंदा-2

शब्द पहेली -5173 का हल

मंगल सैणचा,बेंगलोर